

# Daily सच के हक में. HE PHONINE

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



**Tripti Dimri Shares** Picture from...

Ranchi ● Saturday, 21 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 328 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

# : 23,951.70

7,250 99.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

#### **BRIEF NEWS** पांच दिनों में निवेशकों के डूबे ₹18.43 लाख करोड़

NEW DELHI: शेयर बाजार में लगातार पांच दिनों से जारी गिरावट के बीच इक्विटी निवेशकों के 18.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक डब गए हैं। विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच पांच दिन में बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 4,091.53 अंक यानी 4.98 प्रतिशत टट गया है। गिरावट के इन पांच दिनों में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 18,43,121.27 करोड़ रुपये घटकर 4,40,99,217 .32 करोड़ रुपये (5,180 अरब डॉलर) रह गया। शुक्रवार को ३० शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,176.46 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद हुआ। बीएसई मिडकैप सुचकांक में भी 2.43 प्रतिशत तथा स्मॉलकैप सूचकांक में

#### नीतीश की तबीयत खराब सभी कार्यक्रम रह

2.11 प्रतिशत की गिरावट आई।

PATNA: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत अंचानक बिगड़ गई। इसके चलते उनके शुक्रवार को पूर्व में निर्धारित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। नीतीश पटना में चल रहे ग्लोबल निवेशक सम्मेलन-बिहार बिजनेस कनेक्ट २०२४ में भी हिस्सा नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से फिलहाल सीएम नीतीश के स्वास्थ्य के बारे में कोई विस्तृत सूचना नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि मौसम में बदलाव की वजह से मुख्यमंत्री को सर्दी, जुखाम और बुखार हो गया है।

#### कार से 52 किलो सोना व 10 करोड़ रुपये बरामद

BHOPAL: मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीते तीन दिन से अगल-अलग कारोबारियों के यहां लोकायुक्त और आयकर विभाग के छापे के बाद अब यहां मेंडोरी के जंगल में एक गाड़ी में 52 किलो सोना बरामद हुआ। इसके साथ ही 10 कराड रुपय नकद भा 14ल ह 1 सान की कीमत ४० करोड़ ४७ लाख रुपये आंकी गई है। गुरुवार की दरमियानी रात दो बजे 30 गाड़ियों में पहुंची आयकर विभाग और पुलिस की टीम ने वाहन को पकड़ा। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये सोना और नकद राशि किसकी है। जिस कार इनोवा क्रिस्टा में यह सोना और नकदी मिली है, वह ग्वालियर की है और चंदन गौर के नाम से रजिस्टर्ड है।

#### थैला मिलने से मचा हडकंप NEW DELHI: शुक्रवार को मध्य दिल्ली के पंडित पंत मार्ग स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में पुलिस स्टिकर लगा एक लावारिस थैला मिलने से हड़कंप मच गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोपहर में कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के पास थैला पड़ा हुआ था, जिसके बाद

कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा सूचित

किए जाने पर पुलिस ने क्षेत्र की

घेराबंदी कर दी।

भाजपा कार्यालय में लावारिस

# झारखंड में आज के बाद और बढ़ेगा शीतलहर का कहर

आज यानी शनिवार को दिसंबर का तीसरा सप्ताह

समाप्त हो रहा है। पिछले लगभग 10 दिनों से झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के अधिकतर इलाकों में शीतलहर कहर बरपा रही है। रांची के मैक्लुस्कीगंज, नामकुम और कांके में इस साल अब तक सबसे ज्यादा ठंड पड़ी। कुछ दिन पहले न्यूनतम तापमान नामकुम में तीन डिग्री, तो मैक्तुसकीगंज और कांके में लगभग एक डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। 19 और 20 दिसंबर को थोड़ी राहत मिली। फिर भी शीतलहर ने सुबह और शाम से रात के समय लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 21 दिसंबर को भी शीतलहर से थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन इसके बाद ठंड का

कहर फिर बढ़ जाएगा। शुक्रवार को रांची का न्यनतम तापमान ९.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मैक्लुस्कीगंज में 5 और कांके में यह 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। इसके विपरीत न्युनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी से थोड़ी राहत की संभावना है। बंगाल की खाडी से हवा के साथ आ रही नमी के कारण यहां धुंध का असर दिख रहा है।

#### आज सुबह में छाया रहेगा कोहरा, अधिकतम तापमान में २ से ३ डिग्री सेल्सियस तक आएगी गिरावट • न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री की **बढ़ोतरी** से

राहत 🛮 बंगाल की खाड़ी से हवा के साथ आ रही नमी के कारण दिख रहा ध्रंध का

मिल सकती

है थोड़ी



#### कल रांची सहित कई जगह सुबह में छाई रहेगी धुंध

22 दिसंबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी भागों में सुबह में कोहरा रहने की संभावना है। इस दौरान गुमला, रांची, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, पश्चिमी सिंहमूम, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कोहरा रहने की संभावना है। सुबह में वाहन चालन संभल कर करने की सलाह दी गई है।

#### दक्षिणी हिस्सों में छाए रहे आंशिक बादल

मौसम विभाग के पूर्वार्नुमान के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाँव का क्षेत्र बनने के कारण आज यानी शुक्रवार को राज्य के दक्षिणी भागों में सुबह में आंशिक बादल छाए रहे। पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां में ऐसी स्थिति दिखी। रांची मौसम विभाग के निर्देशक अभिषेक आनंद के अनुसार, आज यानी शनिवार को भी सुबह में राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं मध्य भागों में कहीं-कहीं पर घना कोहरा छाने की संभावना है। इस दौरान रांची समेत गुमला, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू और रामगढ़ में कोहरा रहने की

### जिला प्रशासन ने किया है चौक चौराहों पर अलाव का इंतजाम

अंबेडकर के 'अपमान' पर विपक्ष

ने निकाला मार्च, भाजपा ने घायल सांसदों के मुद्दे पर किया प्रदर्शन

प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। उपायुक्त के निर्देश पर समय-समय पर राजधानी की सड़कों पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। इसमें टंड से बचाव के लिए लोगों को शेल्टर होम में पहुंचाया जा रहा है, जहां पर ठहरने और ठंड से बचाने के इंतजाम किए गए है। वहीं जो लोग शेल्टर होम नहीं जाना चाहते, उनके लिए कंबल की व्यवस्था की गई है। साथ ही शहर में चौक-चौराहों पर अलाव का भी इंतजाम किया गया है, ताकि लोगों को कड़कड़ाती ठंड में



# राजस्थान में जयपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ भीषण हादसा

# एलपीजी टैंकर को द्रक ने मारी टक्कर, ११ जिंदा जले

#### **JAIPUR @ PTI**

शुक्रवार को तड़के करीब 5:45 बजे राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक टुक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी, जिससे लगी आग ने 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में 11 लोगों की जलकर मौत हो गई। 35 अन्य लोग झुलस गए। सवाई मानसिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से दस की मौत एसएमएस अस्पताल में और एक की मौत अन्य अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि हादसे में झुलसे व घायल लगभग 35 लोग अभी भर्ती हैं, जिनमें से कुछ वेंटिलेटर पर हैं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा के पास एलपीजी टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी. जिसके बाद आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और वहां से गुजर रही एक बस सहित अनेक ट्रक, कार आगी की चपेट में आ गए। घटना से जुड़े एक वीडियो में लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए और शुरूआत में स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें एक किलोमीटर दर से नजर आ रही थीं और राष्ट्रीय राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा 'आग के गोले' में तब्दील हो गया था। धमाके की आवाज 10 किलोमीटर दुर तक सुनाई पड़ी।

#### दुर्घटना के बाद कई वाहनों में लगी आग, 35 लोग झुलसे

- घायलों की हालत गंभीर रखे गए हैं वेंटिलेटर पर टक्कर होते ही गैस लीक के बाद हुआ जोरदार धमाका
- 10 किलोमीटर तक सुनी गई धमाके की आवाज
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, गवर्नर और मुख्यमंत्री ने हादसे पर जाताया शोक
- मृतकों के परिजनों को पीएम राहत कोष से दिए जाएंगे दो-दो लाख रुपये
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देने का एलान
- 31 वाहन जले, जिनमें 29 ट्रक तथा दो बसें शामिल

#### • ३० से अधिक दमकल वाहनों ने मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

• प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक किलोमीटर दूर से नजर आ रही थीं आग की लपटें

#### राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने ली दुर्घटना की जानकारी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, गवर्नर हरिभाऊ बागडे और

सहित पक्ष-विपक्ष के अन्य नेताओं ने हादसे पर शोक जताया। मोदी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए

जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हादसे के बारे में मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा से बात कर जानकारी ली। मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा तथा गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम घटनास्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच करवाई जाएगी और घायलों के इलाज की व्यवस्था की गई है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

#### विजय चौक पर विरोध प्रदर्शन किया इनमें शामिल विपक्षी सांसदों ने विजय चौक से संसद तक विरोध मार्च भी निकाला और गृहमंत्री अमित शाह से राज्यसभा में अंबेडकर पर दिए गए अपमानजनक बयान के लिए माफी मांगने तथा इस्तीफे की मांग की। उधर, भाजपा गुरुवार को संसद में दो सांसदों के घायल होने के मद्दे को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। पार्टी के सांसदों ने राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है, जिसे देश कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। पार्टी के नेतत्व में इंडिया

गठबंधन के सांसदों ने विजय

चौक से संसद तक मार्च निकाला।

**AGENCY NEW DELHI:** 

शुक्रवार को अंबेडकर के कथित

अपमान के मुद्दे को लेकर विपक्ष ने

अनिश्चितकाल के लिए स्थिगित

- 'इंडिया' गढबंधन ने गृहमंत्री अमित शाह से मांगा इस्तीफा
- राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर पर प्रियंका बोलीं, यह सरकार की हताशा
- सांसदों के घायल होने पर भाजपा ने राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अमित शाह को देश से माफी मांगनी होगी और अपने पद से इस्तीफा देना होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर भाजपा की आलोचना की और कहा, यह उनकी हताशा का स्तर दिखाता है।

#### जेपीसी को भेजा गया 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़ा विधेयक

शुक्रवारको संसद के दोनों सदन– लोकसभा व राज्यसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके पहले लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच 'एक देश–एक चुनाव' से जुड़ा १२९वां संविधान संशोधन विधेयक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिए स्थिगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे शुरू होते ही विपक्ष ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर शोर-शराबा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य सदन के बीचों-बीच पहुंच गए। इस दौरान सदॅन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित थे। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच केंद्रीय कानन मंत्री अर्जन राम मेघवाल ने संविधान संशोधन विधेयक को संसद की संयुक्त कार्य समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा। हंगामे के बीच प्रस्ताव को ध्वनिमंत से पारित कर सदन की अनुमति प्रदान की गई। जेपीसी में 27 सदस्य हैं। इनमें से 12 राज्यसभा से हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने इस दौरान सदस्यों को संसदीय परंपराओं और गरिमा का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने सदस्यों को चेताया कि संसद परिसर धरना या प्रदर्शन के लिए नहीं है।

#### कृत्रिमता का असर : बाहरी परत हटाने के कारण समय से पहले पक जाते हैं दाने

# मोटे अनाजों की घट रही पौष्टिकता सेहत के लिए खतरा

घटना के बाद आग पर काबू पाते दमकल कर्मी।

**AGENCY NEW DELHI:** 

सेहत की दृष्टि से हमारे रोजाना के भोजन में मोटे अनाजों की खास अहमियत है। संतुलित आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण काबोर्हाइड्रेट के ये मुख्य प्राकृतिक स्रोत हैं। इनसे हमें प्रोटीन भी मिलता है। हर दिन हमारे आहार में 400 ग्राम इनकी उपस्थिति पोषण की दृष्टि से जरूरी है। नेचुरल तरीके से उपजे अनाज ही अपनी पौष्टिकता कायम रखते हैं। अगर इनमें कृत्रिम रूप से कुछ बदलाव किया जाता है, तो उनकी क्वालिटी घट जाती है और इसका असर हमारी सेहत पर पड़ता है। अगर इस प्रकार के अनाज का सेवन हम करते हैं, तो यह एक प्रकार से सेहत के लिए खतरा है। हाल में हुए विशेष अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि ऐसे अनाजों की बाहरी परत हटाने और पॉलिश करने से इनकी पौष्टिकता घट जाती है। शोधकताओं ने जिन पांच छोटे बीजों वाले भारतीय मोटे अनाजों का अध्ययन किया है उनमें कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट), सावा या कुटकी (लिटिल मिलेट), कोदो, सांवा (बार्नयार्ड मिलेट) और चेना (प्रोसो मिलेट) शामिल हैं।

### पांच छोटे बीजों वाले भारतीय मोटे अनाजों के विशेष अध्ययन में सामने आई सच्चाई वाह्य आवरण हटाने से संरचनात्मक रूप से कमजोर हो जाते हैं ऐसे अनाजों के बीज

घटनास्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जांच करवाएंगे। घायलों के इलाज की व्यवस्था करेंगे।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि घायलों में से करीब

आधे लोगों की हालत बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वास्थ्य

कराया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों व चिकित्सकों से

स्थल का दौरा किया और पूर्लिस अधिकारियों से भी बात की। घटनास्थल पर

पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा, बहुत ही दर्दनाक घटना है। मैं अस्पताल जाकर आया

हूं। मैंने वहां उचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। हम घटना की विस्तृत

मंत्री खींवसर एसएमएस अस्पताल पहुंचे, जहां झूलसे हुए लोगों को भर्ती

बात की और उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना

- चेन्नई और हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने दी है विस्तृत जानकारी
- भूसी युक्त अनाज पकाने में लगता है अधिक समय, पर बरकरार रहते हैं पोषक तत्व
- पॉलिश करने से निकल जाते हैं फाइबर, वसा, और खनिज जैसे पोषक



#### काबोहाइड्रेट व स्टार्च के स्तर में बढ़ोतरी

पॉलिश करने से अनाजों में काबोर्हाइड्रेट और स्टार्च का स्तर बढ़ जाता है। इसकी वजह से आहार में शर्करा का स्तर (ग्लाइसेमिक लोड) बढ सकता है। अनाज के इन दानों पर एक कठोर बाहरी परत होती है. जिसे दानों को साफ करते समय निकाल दिया जाता है। इसके बाद उसमें से चोकर को अलग कर पॉलिश कर दिया जाता है, जिससे अनाज चमकदार और संदर दिखने लगता है।

#### प्रोटीन की मात्रा में आई गिरावट नए अनुसंधान से यह भी पता चला है कि अनाज

की मोटी परत हटाकर पॉलिश करने की वजह से सांवा और कुटकी को छोड़कर अन्य सभी तरह के मोटे अनाजों में प्रोटीन का स्तर भी घट गया। भूसी युक्त अनाज को पकाने में समय तो अधिक लंगा, लेकिन उनके पोषक तत्व बरकरार रहे। इसी तरह पॉलिश किए हुए बिना चोकर वाले मिलेट ने पकने के दौरान अधिक ठोस पदार्थ खो दिए और ज्यादा पानी भी सोख लिया। इससे पता चला कि बीज का बाहरी आवरण हटाने से वह संरचनात्मक रूप से कमजोर हो गए थे। शोध के निष्कर्ष में कहा गया है कि पॉलिश किए हुए मोटे अनाजों में फाइबर और पोषक तत्व कम होते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें महंगा बेचा जाता है। इनकी चमक देखकर उपभोक्ता भ्रमित हो जाते हैं।

नहीं रहे हरियाणा के पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला CHANDIGADH: शुक्रवार को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री मोदी से लेकर



लिए राजकीय शोक घोषित किया है। वह सात बार विधायक और पांच बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके थे। ओम प्रकाश चौटाला पिछले कई सालों से भले ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, लेकिन अंतिम समय तक वह राजनीति में सक्रिय

रहे। चौटाला जहां भी रहते थे, वहां रोजाना कार्यकताओं से मुलाकात करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान चौटाला ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया था।

#### रांची पुलिस दर्ज करेगी प्राथमिकी, सीआईडी टेकओवर करेगी केस एफआईआर के बाद सीजीएल परीक्षा

# के पेपर लीक की शुरू की जाएगी जाच

**PHOTON NEWS RANCHI:** झारखंड में झारखंड स्टाफ सिलेक्शन

कमीशन (जेएसएससी) की और से आयोजित सीजीएल परीक्षा में कथित पेपर लीक के आरोपों की

जांच अब एफआईआर दर्ज कर की जाएगी। गृह विभाग के आदेश पर रांची पुलिस इस मामले में एफआईआर

दर्ज करेगी। एफआईआर दर्ज होने के बाद इस केस को सीआईडी टेकओवर कर अनुसंधान करेगी। गौरतलाप है कि इस मामले की सीआईडी से जांच का आदेश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिया है। बताया जाता है कि गृह विभाग में एफआईआर दर्ज करने संबंधी आदेश पर सहमति बन गई है। विभागीय मंत्री के आदेश के बाद इस संबंध में पत्राचार किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, गृह विभाग ने एफआईआर दर्ज करने का फैसला कर लिया है। पुलिस के ऑनलाइन एफआईआर सिस्टम में आई

> शिकायतों के आधार पर पेपर लीक से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज जाएगा। गृह किया विभाग इस केस में पूरी एफआईआर दर्ज कर

करेगा। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में प्रकाश सिंह द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस दीपक रोशन ने आदेश दिया था कि परीक्षा में पेपर लीक के मामले में याचिकाकर्ता द्वारा कराई गई शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाए।

ने की खुदकुशी LOHARDAGA : जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलिसमरी गांव

में पति- पत्नी में हुए आपसी विवाद

पहुँचान रामु महतो (32) के रूप में

हुई है। मृत जवान सिमडेगा पुलिस

लाइन में आरक्षी के पद पर कार्यरत

था। जानकारी के अनुसार झारखंड

पुलिस 2018 बैच का जवान छुट्टी में

लोहरदगा अपना घर आया हुआ था,

जिसके बाद किसी बात को लेकर

पत्नी के साथ आपसी विवाद हो गया

और जवान ने रात में खुदकुशी कर

ली। घटना की जानकारी मिलने के

बाद परिजनों ने जवान को आनन-

फानन में कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने जांच

कर जवान को मृत घोषित कर दिया।

मामले की सूचना पर कुडू थाना

पुलिस मौके पर पहुंच और जांच

पंडताल कर रही हैं। शव शो

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

के बाद झारखंड पुलिस के एक

जवान ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृत जवान की यात्री बस व ट्रक में टक्कर

10 से अधिक यात्री घायल

इसी दौरान उदयपुरा से थोड़ी दुर

पहले सामने से आ रही ट्रक और

बस में सीधी टक्कर हो गई। टक्कर

के बाद बस और ट्रक दोनों के

सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त

हो गया, जिससे बस में सवार सभी

यात्री गाड़ी में ही फंस गए। बाद में

उधर से गुजर रहे कुछ लोगों ने

इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके

बाद अंचल अधिकारी अरविंद

देवाशीष टोप्पो और थाना प्रभारी

प्रमोद कमार के नेतत्व में पलिस की

टीम घटनास्थल पर पहुंची और बस

का पिछला दरवाजा तोड़कर सभी

घायलों को बाहर निकाला और

LATEHAR: सदर थाना क्षेत्र के

उदयपरा गांव के निकट शक्रवार

को राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर यात्री

बस और ट्रक में भीषण टक्कर हो

गयी। इस घटना में 10 से अधिक

यात्री घायल हो गए हैं। घायलों में

लातेहार निवासी नीतू कुमारी,

ललिता मिंज, देवलाल राम, फैजान

अंसारी, रीता देवी, निक्कू कुमार,

बालूमाथ निवासी रितु कुमारी ,परी

कुमारी और लोहरदगा निवासी

मेराज मियां आदि शामिल हैं। इनमें

मिराज मियां तथा दो अन्य यात्रियों

की स्थिति गंभीर है । सभी घायलों

का इलाज लातेहार सदर अस्पताल

में किया गया। मिली जानकारी के

अनसार लातेहार से हजारीबाग की

गिरिडीह में खलिहान में सो रहे

# अनियंत्रित कार ने आग ताप रहे पांच लोगों को रौंदा, दो की मौत, तीन जख्मी

मोहम्मदगंज थाना के सतबरवा मोड़ पर गुरुवार रात को हुई दुर्घटना

**AGENCY PALAMU:** 

जिले के मोहम्मदगंज-जपला मख्य पथ पर मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के सबनवा मोड़ के पास गुरुवार रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित थार कार ने सड़क किनारे अलाव ताप रहे पांच लोगों को रौंद दिया।

इस हादसे में सबनवा गांव के ही अरशद खान और आशिफ खान की मौके पर ही मौत हो गई, जबिक इमरान खान, जहांगीर खान और हसनैन खान गंभीर रूप से घायल हो गए। जख्मी में दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए हसैनाबाद के अनमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। एक को कम चोट आने के कारण गांव में ही इलाज किया

जा गिरी। घटना के बाद उग्र लोगों ने मोहम्मदगंज-जपला मख्य सडक को जाम कर दिया। सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई और यातायात प्रभावित हो गई। ग्रामीण प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे और सड़क सुरक्षा के ठोस उपायों की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। घटना के बाद कार में सवार दो में से चालक मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को ग्रामीणों ने पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी है, जिससे उसकी हालत भी गम्भीर है। उसे पुलिस के हवाले कर दिया है। उसकी पहचान की कोशिश की जा रही है। मोहम्मदगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची है और जाम



घटनास्थल पर गड्ढे में गिरी कार

हटाने की कोशिश की। हैदरनगर और हुसैनाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मोहम्मदगंज सीओ रणवीर कुमार और हैदरनगर

सीओ भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझा कर जाम

किया जाएगा। काफी समझाने के बाद देर रात जाम हटाया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात सड़क किनारे कुछ ग्रामीण अलाव ताप रहे थे। इसी बीच अनियंत्रित वाहन सभी को रौंदते हुए गड्डे में जा गिरी। बीस सूत्री कमेटी के अध्यक्ष

जियाउद्दीन खान ने बताया कि गाड़ी का चालक फरार हो गया है, जबकि थार में बैठे एक शख्स को ग्रामीणों ने पकड़ लिया है, वह नशे में है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मोहम्मदगंज थाना प्रभारी मुकेश कमार सिंह ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद भेज दिया है।

# डंपर से हो रही थी बालू



अवैध खनन, खनिजों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से उपायुक्त चंदन कुमार के जरिये अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में खान निरीक्षक राहल कुमार के जरिये शुक्रवार को गश्ती के क्रम में बाजारटांड़ के पास एक डंपर अवैध बालु के साथ पाया गया। जांच के क्रम में पाया गया कि डंपर वाहन संख्या (जेएच ०२ एई ८०२२) पर ६०७ घनफिट बालु खनिज लोड पाया गया। उक्त डंपर में जांच पडताल किया गया परंत बाल का परिवहन चालान कागजात नहीं पाया गया। इसके बाद वाहन मालिक, चालक एवं अन्य संलिप्त चोरी, खनन राजस्व की क्षति को

# की तस्करी, वाहन जब्त



डुमरी प्रखण्ड के मधुबन थाना इलाके के छछंदो पंचायत के जोभी गांव में गुरूवार की देर रात में एक दर्दनाक घटना हुई । बताया गया कि धान के खलिहान में गांव की एक महिला और उसके पुत्र की जल कर मौत हो गई। दोनों पूरी तरह से जल गए थे। दोनों मृतक की पहचान जोभी गांव निवासी सोमरा मुर्मू की पत्नी नुनिया देवी (40) और उनका छोटा पुत्र चांद मुर्मू (12) के रूप में हुई है। पति सोमरा मुर्मू का कहना है कि रात को उनकी पत्नी और उनका पुत्र खलिहान में सोने गया था। देर रात जब लोगों की चिख पुकार सुनी तो वह भागकर खलिहान पहुंचा जहां आग लगी हुई थी और उसके चपेट में आकर दोनों की मौत हो गई । बताया कि उसके छह बच्चे हैं लेकर जिला खान निरीक्षक के जरिये



घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़

था।घटना की जानकारी मिलते ही लिया हो। इससे जलकर दोनों की मधुबन थाना पुलिस शुक्रवार को घटना स्थल पर पहुंच कर छानबीन कर जले हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया। आशंका जताई जा रही है कि खेत के समीप खलिहान के बाहर ठंड से बचने के लिए आग तापकर मां- बेटे सोने चल गये थे। आग की चिंगारी संभवतः रह गई हो और फिर वह पुआल से बने कुंभा (घर) में पकड़

मौत हो गई। फिलहाल पुलिस पुरे मामले की जांच में जुटी है।घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। घटना की खबर सुन स्थानीय विधायक जयराम महतो, जेएमएम नेता अखिलेश महतो, झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजु, भाजपा नेता दीपक श्रीवास्तव आदि गांव पहुंच कर शोकाकुल परिवार से

बीबीएमकेयू का पांचवां युवा महोत्सव शुरू

**BRIEF NEWS** 



DHANBAD : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के पांचवें युवा महोत्सव का उद्घाटन कुलपित डॉ. राम कुमार सिंह ने किया। युवा महोत्सव की शुरूआत शहर के वाच एंड वाच कॉलोनी मैदान से हुई। यहां से मेजबान गुरुनानक कॉलेज के नेतृत्व में झांकी निकाली गई। इस दौरान प्रति कुलपित डॉ. पवन कुमार पोद्वार, डीन छात्र कल्याण डॉ. पुष्पा कुमारी, मेजबान गुरुनानक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद समेत सभी कालेजों से आए छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे। झांकी में गुरुनानक कालेज की ओर से भगवान बिरसा मुंडा व बाबाधाम के साथ झारखंडी संस्कृति को प्रस्तुत किया गया। ला कालेज ने सिदो-कान्ह् व संविधान निर्माता बाबा साहेब व झारखंड की संस्कृति, बीएसके कालेज मैथन ने आदिवासी परंपरा, एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय भारत के विभिन्न राज्यों की नृत्य शैली, आरएसपी कॉलेज झरिया ने धनबाद की समस्या कोयला चोरी, बीएस सिटी कॉलेज बोकारो ने छठ पूजा, सिंदरी कॉलेज सिंदरी की ओर से अनेकता में एकता का संदेश अपनी झांकी के माध्यम से दिया। झांकी वाच एंड वाच कॉलोनी मैदान से निकल कर बरमसिया होते हुए कॉलेज परिसर पहुंच कर समाप्त हुई।

#### बाल आयोग व डालसा ने किया विद्यालय का निरीक्षण

CHAIBASA: झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य विकास दोदराजका और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजीव

कुमार सिंह ने शुक्रवार को चक्रधरपुर स्थित राजा नरपत छात्राओं के साथ संवाद भी किया। इस अवसर पर

कमार सिंह ने बच्चों के अधिकार की जानकारी देते हुए उन्हें प्राधिकार द्वारा बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाओं के बारे में भी बताया। विकास दोदराजका ने बच्चों को उनके कॅरियर के प्रति मार्गदर्शन किया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मुंडू, शिक्षिका नीतू साहू ,जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनीता तिवारी और आउटरीच वर्कर रीना कच्छप भी मौजूद थीं।

#### डिमना रोड के घरों से उठाया गया 119 टन कचरा

JAMSHEDPUR: मानगो नगर निगम ने शक्रवार को डिमना रोड स्थित घरों से 119 टन कचरा उठाया और उसे नियत स्थान पर डंप किया। निगम आश्वस्त किया है कि अगले दो दिन में मानगो के सभी इलाकों से घरों का कचरा उठ जाएगा। जमशेदपर पश्चिमी के विधायक सरय राय ने एक्स पर लिखा है कि मानगों में कचरा उठाव जारी है। आदित्यपुर के कांग्रेसी नेताओं ने अड़ंगा नहीं डाला होता तो अब तक मानगो से पूरा कचरा हट गया होता। कांग्रेस के नेताओं ने आदित्यपर में कचरा डंपिंग का विरोध नहीं किया होता तो अब तक समुचे मानगो का कचरा उठ गया होता। आदित्यपर के कांग्रेसी नेताओं ने किसकी शह पर मानगो का कचरा वहां नहीं गिराने दिया, यह जांच का विषय है। जबकि सरकार के आदेश से आदित्यपुर नगर निगम को मानगो, जुगसलाई के लिए नोडल संगठन

#### शांति स्वरूप भटनागर दुर्नामेंट का समापन

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला की ओर से चल रहे 52वें शांति स्वरूप भटनागर मेमोरियल टूर्नामेंट का



शुक्रवार को समापन हो गया। एनएमएल, एग्रिको आवासीय परिसर में हुए समारोह में एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष डॉ. शिवाप्रसाद, डॉ. रंजीत

रे, एनएमएल स्टाफ क्लब के उपाध्यक्ष डॉ. संजय अग्रवाल, प्रशासनिक अधिकारी विप्लव

#### विशाल आदि उपस्थित थे। 16 ट्रेनें 22-24 दिसंबर तक रहेंगी रद्द

JAMSHEDPUR: चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों को लेकर टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों को 22 से 24 दिसंबर के बीच रद्द किया गया है। इसमें टाटानगर से होकर चलने वाली 16 ट्रेनें शामिल हैं। इसमें टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस, टाटानगर-बरकाकाना एक्सप्रेस, हावड़ा-कांटाबाजी एक्सप्रेस, टाटा-इतवारी एक्सप्रेस, राउरकेला-टाटा -राउरकेला मेमू समेत एक दर्जन ट्रेन शामिल है। इसके साथ ही टाटा-आसनसोल मेमू और टाटा-धनबाद सुवर्णरेखा एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट होकर चलेगी, जबिक हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस रीशिड्यूल होकर चलेगी।

# शिक्षक ने चौथी क्लास की छात्रा के साथ की छेडखानी



घटना की सूचना पाकर स्कूल में जुटे लोग

• फोटोन न्यूज

उन्होंने ग्रामीणों से शांति बनाए

रखने की अपील की और कहा

कि घटना की जांच की जा रही

है। मामले में प्रभावित परिवारों ने

मुआवजा की मांग की

प्रशासनिक पदाधिकारी ने कहा

कि नियम संगत सरकारी स्तर पर

RAMGARH : शिक्षक और ग्रामीणों ने शिक्षक को पुलिस के शिष्य का रिश्ता बेहद पवित्र होता हवाले कर दिया। इस मामले में है। लेकिन रामगढ़ जिले के पीड़िता की मां सुनीता देवी और पतरातू प्रखंड अंतर्गत राजकीय पिता राजकुमार बेदिया के जरिये प्राथमिक विद्यालय सुदी के एक मामले में पुलिस से शिकायत की सहायक शिक्षक ने चौथी क्लास गई है। रामगढ़ एसपी अजय की लड़की के साथ छेड़खानी कर कुमार ने बताया कि जैसे ही सारी मर्यादाएं लांघ दी हैं। स्कूल पुलिस को छात्रा के साथ स्कूल में की छात्रा के परिजनों को जब यह छेड़खानी होने किसी सूचना मिली जानकारी मिली तो ग्रामीणों के तत्काल पतरातू एसटीपीओ पवन साथ वे लोग विद्यालय पहुंचे। कुमार और भदानीनगर ओपी सरकारी शिक्षक मुख्तार आलम प्रभारी को कार्रवाई करने का को पकड़ कर पीट दिया। बाद में

# शक्ति सदन में आवासित बालिका को पांच वर्ष बाद परिवार से मिलाया

एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शक्ति सदन में आवासित बालिका को पांच वर्ष बाद परिवार से मिलाया गया। यह बालिका अपने माता-पिता व परिवार से बिछड़ गई थी। उसे पुलिस द्वारा 16 अक्टूबर को संस्था के सुपुर्द किया गया था। संबंधित बालिका के साथ उत्पीडन किए जाने के कारण वह अपने घर-परिवार के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ बताने में सक्षम नहीं थी। काफी पूछताछ के बाद बालिका ने अपना घर चतरा जिले के नवाटांड़ बताया। इसके बाद चतरा जिले के बाल कल्याण समिति से संपर्क किया गया। हालांकि तत्काल परिवार के संबंध



अपने परिवार के साथ बालिका व अन्य

में कोई जानकारी नहीं मिली। अंत में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के निर्देश पर दो सदस्यीय टीम, जिसमें विधि-सह-परिवीक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह व शक्ति सदन की प्रभारी प्रतिमा कुमारी के अलावा बाल कल्याण समिति के सदस्य मुन्ना पांडेय व महिला पर्यवेक्षक अनुसुइया कुमारी को भी शामिल किया गया। यह टीम बालिका को लेकर सरकारी वाहन में उसके

घर-परिवार की खोजबीन में निकली। काफी प्रयास के बाद उक्त घर-परिवार हजारीबाग जिले के कदमा के समीप नवाटांड़ गांव में मिला। अपने घर पहुंचते ही बालिका ही नहीं, उसके परिवार वाले भी काफी खुश हुए। परिवार वालों ने बताया कि गुमशुदगी के बाद लगभग दो वर्षों तक खोजबीन की, लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो थाने में सूचना देकर खोजना छोड़ दिया।

• फोटोन न्यूज

# अपराधी गिरफ्तार

जिनमें से सबसे छोटा चांद मुर्मू

गिरिडीह से तीन साइबर



बेगाबाद थाना क्षेत्र के खंडोली मोड पर छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में गांडेय थाना क्षेत्र के पंदनाटाड़ निवासी साहिल अंसारी ( 19 ) और नजमुल अंसारी ( 23 ) और बेंगाबाद थाना क्षेत्र के पुरी निवासी प्रमोद यादव (30) शामिल हैं। पलिस ने इनके पास से सात मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड और एक बाइक बरामद की है। इस संबंध में जानकारी शुक्रवार को साइबर डीएसपी आबिद खान ने संवाददाता सम्मेलन में दी। साइबर डीएसपी ने बताया कि एसपी गिरिडीह को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली थी कि खंडोली मोड़ के पास कुछ साइबर अपराधी धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इस सूचना पर कार्रवाई के लिए एसपी ने एक विशेष टीम का गढन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन साईबर अपराधी को गिरफ्तार किया।

## स्कॉर्पियो का शीशा तोड़कर चोरों ने उड़ाए पांच लाख

एक बार फिर चोरों ने एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने रामगढ कॉलेज जैसे भीड भाड वाले इलाके में एक स्कॉर्पियो का शीशा तोडकर पांच लाख रुपए उड़ा लिए हैं। यह घटना रामगढ़ शहर की जेजे टेंट के मालिक अजय कमार महतो के साथ घटी है। चोरों ने जैसे ही गाडी की डिक्की का शीशा तोड़ा वह रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। गाडी का शीशा टटने की आवाज सुनकर लोगों ने शोर मचाया। अजय कुमार जब वहां पहुंचे तो अपना सिर पीट लिए। रामगढ पलिस ने इस मामले में (कांड संख्या 397/24)अंकित कर कार्रवाई शुरू कर दी है। रामगढ़ थाना क्षेत्र के गोसा निवासी अजय कुमार महतो ने शुक्रवार को बताया कि डीएस कॉम्प्लेक्स

RAMGARH: रामगढ़ शहर में



में स्थित एक्सिस बैंक से पांच लाख रुपए निकाले थे। फिर वे स्टाफ सचिन कुमार के साथ स्कॉर्पियो ( जेएच 24 ई 7771) से नईसराय एप्पल शोरूम पहुंचे। यहां उन्होंने मोबाइल खरीदा। बाद में रामगढ़ कॉलेज गेट के पास रोड किनारे लगाकर जी मार्ट के अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद हल्ला होने पर बाहर निकले तो देखा कि गाड़ी का शीशा टूटा हुआ है और रुपये गायब हैं। रामगढ़ जिले में चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने

### नवंबर से ही जिले के पेरवाघाघ, पंचघाघ, सप्तधारा, रानी फॉल, पांडूपुड़िंग, चंचला घाघ आदि जगहों पर जुट रहे सैलानी

# पिकनिक का मौसम आते ही खिलने लगे खूंटी के ग्रामीणों के चेहरे

**AGENCY KHUNTI:** झारखंड के खूंटी जिले में पर्यटन स्थलों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के चेहरे खिलने लगे है। नवंबर माह से ही जिले के पेरवांघाघ, पंचघाघ, सप्तधारा, रानी फॉल, पांड्रपुड़िंग, चंचला घाघ, बाघलता सहित अन्य पर्यटन स्थलों में सैलानियां की भीड जुटने लगती है। भारी संख्या में पर्यटकों के आने से स्थानीय लोगों को अच्छा खासा रोजगार मिल जाता है। पर्यटन स्थलों के आसपास रहनेवाले

ग्रामीणों को पिकनिक के इस

मौसम का बेसब्री से इंतजार

रहता है। पर्यटन समितियों

और उनके सदस्यों को नवंबर

से फरवरी तक लाखों रुपये

की कमाई हो जाती है।



झील में नौका विहार का आनंद उटाते लोग

#### उमड़ रही है सैलानियों की भीड़

तोरपा प्रखंड के प्रमुख पर्यटन स्थल पेरवांघाघ, पांडुपूड़िंग तथा चंचलाघाघ में पर्यटक पहुंचने लगे है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। रविवार सहित अन्य छुट्टी के दिनों में सैलानियों की संख्या ज्यादा रहती है। फटका पंचायत में स्थित पेरवांघाघ प्रखंड का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां के जलप्रपात की सुंदरता देखते ही बनती है। हरे–भरे जंगलों के बीच कारो नदी पर स्थित यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। इस जलप्रपात के पास बोटिंग की व्यवस्था पर्यटक मित्रों द्वारा की जाती है। देसी तकनीक से लकडी का बोट बनाया जाता है, जिसमें बैठक सैलानी बोटिंग के रोमांच का लुक उढाते हैं। जलप्रपात को देखने के लिए नदी की दूसरी तरफ जाने के लिए लकड़ी का अस्थाई पुल भी पर्यटक मित्रों द्वारा बनाया जाता है।

#### थर्मोकोल के प्रयोग पर है प्रतिबंध, पर्यटकों को मिलता है गार्बेज बैग

पेरवांघाघ में थर्मोकोल का प्रयोग प्रतिबंधित है। इसकी जगह पर पत्ते से बने दोना पत्तल का प्रयोग सैलानी कर सकते हैं। दोना पत्तल की बिक्री पेरवां घाघ में की जाती है। गंदगी रोकने के लिए पर्यटक समितियों द्वारा कई कदम उढाये जाते हैं। पेरवांघाघ के पर्यटन मित्र इंद्र सिंह ने बताया कि पेरवां घाघ में गंदगी रोकने के लिए पर्यटन मित्र इस बार पर्यटकों को गारबेज बैग नि:शुल्क देंगे। पार्किंग शुल्क के साथ ही यह बैग उन्हें नि :शुल्क दिया जायेगा। पर्यटक इसमें अवशेष चीजों जमा कर एक निर्धारित जगह पर जमा करेंगे, ताकि गंदगी न फैले। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति प्रतिदिन यहां की सफाई की जायेगी। तोरपा प्रखंड के पांडूपुड़िंग, चंचला घाघ, रनिया प्रखंड के उलूंग जलप्रपात, मुरहू प्रखंड के पंचघाघ जलप्रपात, रिमिक्स फॉल, रानी फॉल में सैलानियों की अच्छी खासी भीड़ जुटने लगी है। इससे स्थानीय लोग काफी खुश हैं।

# गुलगुला से लेकर चिकन-मटन तक की लगती हैं दुकानें

नवंबर से लेकर फरवरी महीने तक खूंटी जिले के सभी पर्यटन स्थलों में हर दिन सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक स्थानीय ग्रामीण गुलगुला, चाँय-पकौड़ी, मुरही, चाट मसाला, गोलगप्पे, चिकन, म्टन, होटल, तेल-साबुन, इडली, मडुवा रोटी, हस्तशिल्प से लेकर लगभग जरूरत की हर चीज की दुकाने लगाते हैं। पेरवांघाघ जलप्रपात में चने की दुकान लगाने वाली फिलोमिना टोपनो कहती हैं कि धनकटी खत्म होने के बाद हमें चार महीने तक अच्छा रोजगार मिल जाता हे। उन्होंने बताया कि सभी तरह की दुकानें यहां लगती है। अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लोग दुकानें लगाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा परिवार मिलकर दुकान का संचालन करते हैं। पेरवांघाघ में ही तेल–साबुन और अन्य मनिहारी की दुकान लगाने वाले मरकुस भेंगरा कहते हैं कि पिकनिक के मौसम का उन्हें बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड कों प्रकृति ने पेरवांघाघ, पांडुपूड़िंग, सप्तधारा, चंचला घाघ, सिड़िंग सहित गई पर्यटन स्थल उपहार के रूप में दिये हैं। इस क्षेत्र में रोजगार के अच्छे अवसर हैं, लेकिन प्रखासन इन पर्यटन स्थलों के विकास पर ध्यान नहीं दे रही है। तपकारा निवासी प्रदीप केसरी कहते हैं कि तोरपा और रनिया प्रखंड के पर्यटन स्थलों में सुविधा के अभाव में लोग कम आते है। उन्होंने कहा कि किसी भी पिकनिक स्पॉट में जाने के लिए अच्छी पड़क तक नहीं है। यदि आवागमन की सुविधा हो तो सालों भर सैलानी यहां आयेंगे और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

# Saturday, 21 December 2024

### **©** BRIEF NEWS

#### पौष अमावस्या ३० को भोलेनाथ की पूजा फलदायी

RANCHI: पौष माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या इस साल 30 दिसंबर को है। हालांकि, अमावस्या की शुरूआत 30 दिसंबर को सुबह 4.01 बजे से हो जाएगी और 31 दिसंबर को 3.56 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनसार पौष अमावस्या 30 दिसंबर को ही मनाई जाएगी। पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि अमावस्या के दिन पितरों की पूजा और स्नान दान के लिए विशेष महत्व है। मान्यता यह है कि इस दिन कुछ चीजों का दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन स्नान दान और पितरों की पूजा करना शुभ फलदायी है। हिंद धर्म में अमावस्या को पितरों को प्रसन्न करने के लिए श्राद्ध तर्पण और पिंडदान किया जाता है। पंडित मनोज बताया कि यह अमावस्या सोमवार को पड़ रही है, इसलिए इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस दिन व्रत के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा करना मंगलकारी होता है।

#### बड़ा तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

RANCHI: कोतवाली थाना क्षेत्र के बडा तालाब से पलिस ने शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। घटनास्थल से कोई पहचान पत्र या अन्य सुराग बरामद नहीं हुआ है। पुलिस मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। खलारी में गोलीबारी की

#### घटना को अंजाम देने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

RANCHI: जिले के खलारी में अक्टूबर माह में अपराधियों ने शंकर महतो के पुरनी राय स्थित घर पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था। इस गोलीबारी कांड में शामिल दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर खलारी थाना प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार अपराधियों में सोनालाल महतो और दीपक कमार शामिल हैं। पूछताछ में दोनों अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पूछताछ में बताया कि दोनों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से गोलीबारी की घटना को

#### पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अंजाम दिया था।

RANCHI: शुक्रवार को रांची स्मार्ट सिटी एबीडी क्षेत्र में एक विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसमें दिल्ली पब्लिक स्कल (डीपीएस) रांची के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और समाज में वन प्लांट, वन लाइफ का संदेश फैलाना था। रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन और डीपीएस रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में डीपीएस के ईको क्लब के छात्रों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए।

# इधर 1.5 लाख की साड़ी, उधर ₹100 की नीम की लकड़ी से बनी कंघी

# रांची के मोरहाबादी मैदान में खादी हस्तशिल्प व सरस महोत्सव शुरू

शुक्रवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में खादी एवं सरस महोत्सव की शुरूआत हो गई है। यहां पर देशभर से हस्तशिल्प कलाकार पहुंचे हैं। मेले में कई राज्यों के 400 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। यहां कश्मीर के फेमस कपड़ों से लेकर बच्चों के आकर्षक खिलौने के स्टॉल लगे हैं। पहले दिन ही इन स्टॉल्स पर लोगों की काफी भीड़ भी देखी गई। मेले में 30 रुपये के खिलौने से लेकर 1.5 लाख तक की कश्मीरी साड़ी बिक्री के लिए उपलब्ध है। मेले में ?100 की नीम की लकडी की बनी कंघी भी मिल रही है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों से लेकर वुडेन और कपड़ों की विशाल रेंज भी रखी गई है। इस मेले में विभिन्न राज्यों की हस्तकला और हस्तशिल्प की कारीगरी का नमूना भी देखने को मिलेगा। मेले में फुड स्टॉल्स और बच्चों के मनोरंजन के भी इंतजाम हैं। इसके अलावा हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा।

#### भाजपा पर संविधान निर्माता अंबेडकर का अपमान करने का झामुमो ने लगाया आरोप

RANCHI: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की कड़ी निंदा की है, जिसमें उन्होंने संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा से आरक्षण को समाप्त करने की साजिश में जुटी हैं। वे लोग मनुस्मृति को लागू करने की चाहत रखते हैं। उन्होंने आरोप कि भाजपा और आरएसएस की नफरत की राजनीति संविधान निमार्ता अंबेडकर के योगदान को नकारते हुए समाज को पीछे धकेलने की कोशिश कर रही है।





#### एंट्रेंस पर लगी है गांधी की कलाकृति

मेले में गांधी जी की कलाकृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें यह दशार्या गया है कि गांधी जी किस तरह से चरखा चलाते थे। खादी के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान कैसा था। मेले में आम लोगों के लिए प्रवेश शुल्क ?10 रखा गया है, ताकि हर कोई आसानी से इस सांस्कृतिक और शिल्प से जुड़े आयोजन का हिस्सा बन सके।

### लाइव दिखाई जा रही कपड़ों की बुनाई

जिसमें रांची के स्टॉल में लाइव सूत कातना और कपड़ों की बुनाई देख सकते हैं।

मेले में खादी बोर्ड रांची के अलावा कई अन्य जिलों के भी स्टॉल लगाए गए है, इसके अलावा गढ़वा के स्टॉल पर ऊनी धागा तैयार करने का डेमो दिखाया जा रहा है। ऊनी कपड़ों की बुनाई भी लाइव देख सकते हैं। मशीनें पहले हाथ से ही चलती थीं। लेकिन, समय के साथ अब सोलर से चलने वाली

मशीनों से भी बुनाई की जा रही

#### क्ले से बने हैंगिंग आइटम बुंडू के आधार महिला उद्योग समिति के स्टॉल में एक से बढकर एक चीजें हैं।

सबसे खास बात ये है कि इस स्टॉल पर सभी चीजें क्ले से बनाई गई हैं। हेमंत नायक और बबलू सेंठ ने बताया कि हमारे स्टॉल पर हैंगिंग आइटम उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल घरों को सजाने के लिए किया जा सकता है। घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले जग, पानी की बोतल और अन्य सामान भी मिल रहे हैं, जिन्हें आकर्षक डिजाइन और कलर्स से सजाया गया है।

## कुख्यात अपराधियों के घर पुलिस ने चस्पा किया इश्तेहार

# पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद अंडरग्राउंड हुआ कुख्यात सजाउद्दीन अंसारी व उसका गुर्गा

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

रांची जिले के कई थानों के लिए कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी व उसके गिरोह के अपराधियों के घर पुलिस ने इश्तेहार चस्पा किया है। पिठोरिया थाना क्षेत्र के कोकदोरो निवासी कुख्यात सजाउद्दीन अंसारी के अलावा शाहिद उर्फ छोटू और नैयर के घर पुलिस ने इश्तेहार चस्पा किया है। चूंकि पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद कुख्यात सजाउद्दीन सहित उसके गर्गे फरार हो गए हैं। सजाउद्दीन अंडरग्राउंड हो चुका है। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट से इश्तेहार



की गिरफ्तारी नहीं होने से

#### इश्तेहार चिपकाता पुलिसकर्मी। निकलवाने के बाद यह कार्रवाई की। गौरतलब है कि सजाउद्दीन

#### क्या पैदल परेड कराएगी पुलिस

सूत्रों से खबर है कि कुख्यात संजाउद्दीन व उसके भांजा शाहिद उर्फ छोटू को पुलिस गिरफ्तार करने के बाद हथकड़ी लगाकर पिठोरिया थाना से पैदल परेड कराते हुए कोर्ट ले जाएगी ताकि इलाके की शांति भंग करने वाले हर अपराधी को सबक मिलेगी। बताते चलें कि एसएसपी चंदन सिन्हा ने कख्यात जमीन कारोबारियों और अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद पैदल परेड की परिपाटी शुरू की थी। इसके बाद से कुख्यातों के पकड़े जाने के बाद ऐसी कार्रवाई जारी है।

थानेदार गौतम कुमार राय पर संरक्षण का आरोप लगाया था।

# लेकिन, ताबड़तोड़ छापेमारी

और त्वरित तौर पर इश्तेहार के बाद पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास जगा है। इधर, थाना प्रभारी गौतम राय ने कहा है कि सजाउद्दीन एक टुच्चा किस्म का अपराधी है। वह और उसके गिरोह के अन्य अपराधी जिस बिल में छुपे होंगे, उन्हें दबोच लिया जाएगा। शीघ्र सरेंडर नहीं करने से जल्द ही कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि पलिस ने सजाउद्दीन के खिलाफ एक सेना के जवान से ठगी करने के मामले में इश्तेहार

#### मनचलों के खिलाफ रांची पुलिस ने की कार्रवाई, ग्रामीण एसपी ने छात्राओं से मिलकर दिलाया सुरक्षा का भरोसा



छात्राओं से बात करते ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ।

**PHOTON NEWS RANCHI:** राजधानी में छेड़खानी की वारदातों पर नकेल कसने के लिए और मनचले पर लगाम लगाने के लिए युद्ध स्तर पर कारवाई शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को राजधानी के सभी थाना क्षेत्र में स्कूल-कॉलेज और दुसरे शिक्षण संस्थानों के बाहर अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की गई। इसके अलावा ग्रामीण एसपी समित अग्रवाल के नेतत्व में पलिस टीम ने महिला कॉलेज में जाकर वहां की छात्राओं को यह भरोसा दिलाया। पुलिस ने आश्वासन दिया कि वह केवल सचना दें मनचलों पर कार्रवाई पलिस करेगी। साथ ही आलाधिकारियों के साथ पुलिस

की। रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा और पूरी पुलिस टीम स्कूल कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी कर छेड़खानी करने वाले मनचलों के अब किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नहीं है। शुक्रवार से रांची के सभी थाना क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूल कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान के बाहर अड्रेबाजी करने वाले के खिलाफ एक बड़ी मुहिम छेड़ दी गई है। सभी थाना क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों के बाहर अड्डेबाजी करने वाले दर्जनों यवकों को खदेड़ा गया। कइयों को थाना लाकर चेतवानी दी गई और पीआर बांड भरवा कर उन्हें छोड़ा गया। रांची के रूरल एसपी सुमित अग्रवाल खुद पूरे की टीम ने छात्रों के साथ बात भी अभियान को लीड कर रहे हैं।

### पुलिस वाहनों पर ३६० डिग्री कैमरा लगाने की तैयारी

झारखंड पुलिस के सभी गस्ती वाहनों में 360 डिग्री का कैमरा लगाए जाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके लिए पहली बार झारखंड में सीधे कैमरे नहीं खरीदे जा रहे हैं, बल्कि पहले इस्तेमाल और फिर विश्वास वाली प्रणाली पर झारखंड पुलिस काम कर रही है। बकायदा इसके लिए अखबारों में विज्ञापन निकाला गया है, ताकि बेहतर सर्विस देने वाले कैमरे ही पुलिस वाहनों पर लगे। दरअसल, झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता पुलिस के हर काम में पूरी पारदर्शिता लाना चाहते हैं। पीसीआर और गस्ती वाहनों में कैमरे लगाने के पीछे पुलिस की मंशा यह है कि सुरक्षा के लिए निकले जवान और पदाधिकारी आखिर अपनी डयटी को सही तरीके से निभा रहे हैं या फिर वह एक जगह पर खड़े

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा



होकर टाइम पास कर रहे हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि अक्सर यह शिकायत आती है कि पुलिस के गश्ती वाहन या पीसीआर जल्दी मौके पर नहीं पहुंचते हैं। शिकायत यह भी आती है कि पीसीआर में तैनात पुलिसकर्मी सड़क के किनारे पीसीआर लगाकर उसमें सो जाते हैं। डीजीपी के अनुसार ऐसे में जरूरी है कि ड्यूटी कर रहे हैं पुलिसकर्मियों की मॉनिटरिंग की कंपलीट सिस्टम बने, जिससे यह पता चल सके कि आखिर किसी भी शहर में जो पलिस की टीम आम लोगों की सुरक्षा के लिए घूम रही है वह कहां है और क्या कर रही है।

#### कुषि मंत्री ने मेधा डेयरी प्लांट का किया औचक निरीक्षण

## झारखंड में बढ़ाई जाएगी मिल्क कलेक्शन सेंटर की संख्या, सीधे खरीदा जाएगा दूध

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

झारखंड के पशुपालकों के लिए खुशखबरी। राज्य सरकार कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के तहत मिल्क कलेक्शन सेंटर की संख्या बढ़ाने जा रही है। इस कदम का उद्देश्य राज्य के पशपालकों से उचित मल्य पर दध कलेक्शन सुनिश्चित करना है। इस कदम से बिचौलिया प्रथा को खत्म करने की योजना है। किसानों को सीधे उनका हक मिलेगा। रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी प्लांट का औचक निरीक्षण करने पहुंची कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा



निरीक्षण करतीं शिल्पी नेहा तिर्की।

तिर्की ने इस योजना की घोषणा की। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में दुग्ध कलेक्शन का काम पहले 10,000 लीटर से शुरू हुआ था। लेकिन, अब हर दिन 3 लाख लीटर दूध एकत्रित हो रहा है, जबकि राज्य में दुध की दैनिक मांग 10 लाख

लीटर है, जो फिलहाल अन्य कंपनियां पूरा कर रही हैं। उन्होंने कहा, कि मेधा के उत्पाद की गुणवत्ता बहुत अच्छी है। लेकिन, हमें राज्य की दूध की पूरी मांग को कवर करने के लिए और मिल्क कलेक्शन सेंटर खोलने की जरूरत है। कषि मंत्री ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में बिचौलिया प्रथा सक्रिय है। इसके कारण पशुपालक किसानों को उनका उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। इसलिए मिल्क कलेक्शन सेंटर की संख्या बढ़ाकर बिचौलियों के प्रभाव को समाप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

RANCHI: रांची सिविल कोर्ट ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने की आरोपी अजंली देवी और उसके प्रेमी राज मुंडा को दोषी करार दे दिया है। दोषियों को अपर न्याययुक्त मनीष रंजन का कोर्ट 21 दिसंबर को सजा सुनाएगा। हत्या की वारदात वर्ष 2021 में खेलगांव थाना क्षेत्र के गाड़ीगांव पाहन टोली में हुई थी। राजु मिर्धा की पत्नी अपने बच्चे के साथ गाड़ीगांव पाहन टोली में किराये के मकान में रहती थी। जबकि राजू गुजरात में रहकर नौकरी करता था। इस बीच राजू मिर्घा की पत्नी अंजली देवी का राज मुंडा से संबंध शुरू हो गया। राजू मिर्धा की गैरमौजूदगी में राज

#### पति की हत्या करने वाली पत्नी व प्रेमी दोषी करार

आंचलिक पत्रकार संघ का प्रतिनिधिमंडल मुंडा अक्सर उनके घर आना जाना

# गर्वनर संतोष गंगवार से मिला झारखंड

PHOTON NEWS RANCHI झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा। उन्होंने राज्यपाल को ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार संकलन करने के दौरान पत्रकार को होने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पिछले तीन-चार दशकों से ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित साधनों और संसाधनों के बीच काम कर रहे पत्रकारों की स्थिति काफी



दयनीय है। सरकार द्वारा समय-समय पर जो सुविधाओं की घोषणा की जाती है, उसमें भी इस तरह से वर्गीकरण किया जाता है कि उसका लाभ अंचल क्षेत्र के पत्रकारों को नहीं मिल पाता। राज्यपाल ने कहा कि वह अंचल के

पत्रकारों की समस्याओं को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में सरकार बन गयी है। इसलिए आपके मांग पत्र को मैं सीएम को भेज दे रहा हूं। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से सीएम से मिलकर

#### आयोजन : श्रम मंत्री संजय यादव ने स्किल स्टेकहोल्डर्स कनेक्ट-२०२४ कार्यक्रम का किया उद्घाटन, बोले-

# युवाओं को विदेश में भी काम करने का मिलेगा मौका

शुक्रवार को झारखंड के युवाओं को कौशल विकास के बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'स्किल स्टेकहोल्डर्स कनेक्ट 2024' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने किया। रेडिशन ब्लू होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रम मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार का प्रमुख उद्देश्य उद्योगों की मांग के अनुरूप रोजगार और कार्यबल का सृजन करना है। उन्होंने बताया कि राज्य में कौशल विकास के लिए समय की मांग के अनुसार नए जॉब रोल को शामिल किया जाएगा। इससे युवाओं को विदेश में भी नौकरी करने का अवसर मिलेगा। इनमें विदेशी भाषा प्रशिक्षण को भी जोड़ा जाएगा। मंत्री ने कहा कि

#### कौशल विकास के लिए समय की मांग के अनुसार डेवलप किए जाएंगे नए जॉब



कम जनसंख्या वाले देशों में बेहतर वेतन के साथ रोजगार की बहुत संभावनाएं हैं। हम अपने युवाओं को इन अवसरों से जोड़ने के लिए कार्य कर रहे हैं। साथ ही कौशल विकास के क्षेत्र मं विभाग की योजनाओं और नई दिशा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा

कि कौशल विकास में सभी

हितधारकों का सामृहिक प्रयास और जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा अब तक 5.25 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें 4.5 लाख युवाओं को प्रमाणित किया गया और 2.25 लाख युवाओं को रोजगार भी मिला है। इसके

अलावा राष्ट्रीय स्तर पर सात राज्यों में प्रवासन सहायता केंद्र भी खोले गए हैं। अगले साल में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी का लक्ष्य दो लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का है, जिसमें राज्य के सभी 264 प्रखंडों में न्यूनतम एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोला जाएगा।

#### तेजी से बदल रहा समय

सचिव श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग मुकेश कुमार ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है। हमें उस बदलाव के साथ चलने के लिए तैयार रहना होगा। पारंपरिक जॉब रोल से बाहर आकर नए जॉब रोल को अपनाना होगा, जो भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करें। उन्होंने युवा शक्ति की दिशा में सही कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं मिशन निदेशक–सह– मख्य कार्यपालक पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार लाल ने कहा कि कौशल विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में आने वाली नई चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी स्टेक होल्डर्स को भविष्य के कौशल की मांग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने विभागीय मंत्री और सचिव के नेतृत्व में विभाग को और भी प्रभावी बनाने की बात की।

#### हथियार तस्करी में शामिल ओमप्रकाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

RANCHI: हथियार तस्करी में शामिल ओमप्रकाश गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुआ ओमप्रकाश बीते महीने हुए विधानसभा चुनाव में हटिया विधानसभा से चुनाव लड़ा था। गौरतलब है कि इस साल बीते छह नवंबर को भेष बदलकर पिस्टल का खरीदारी करने पहुंचे कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया था। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए मुस्लिम वेशभूषा में पिस्टल का खरीदार बनकर पहुंचे थे। इस दौरान मो। राजन नाम के हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो देसी पिस्टल भी बरामद किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ अपराधकर्मी अवैध हथियार लेकर कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी रांची अखाड़ा चौक के

## यौन शोषण के आरोपी पूर्व डीडीसी को नहीं मिली बेल

#### **PHOTON NEWS RANCHI:** रांची सिविल कोर्ट ने शादी का

झांसा देकर महिला का 16 साल तक यौन शोषण करने के आरोपी सेवानिवृत्त डीडीसी अरविंद कुमार चौधरी को राहत देने से इनकार कर दिया है। सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त मनीष रंजन की कोर्ट ने अरविंद कुमार चौधरी की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही कोर्ट ने उनके बेटे मनीष आनंद की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी। जिससे दोनों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। महिला की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता शिशिर राज ने कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि महिला नामकुम की रहने वाली है। विधवा महिला और अरविंद कुमार चौधरी की मुलाकात वर्ष



2008 में नौकरी को लेकर हुई थी। नौकरी देने का वादा करते हुए पाकुड़ में तैनात अधिकारी अरविंद कुमार ने महिला को मिलने के लिए बुलाया। फिर एक होटल में ले जाकर उसका यौन शोषण किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उन्होंने उससे शादी करने का वादा किया। इस दौरान अरविंद कुमार ने अपने आपको कुंवारा बताया और महिला के संपर्क में रहा। लोहरदगा ट्रांसफर होने के बाद अरविंद कुमार ने फिर से महिला को बुलाया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

#### समाचार सार

#### आज सोनारी में मनेगा पहला विश्व ध्यान दिवस

JAMSHEDPUR: चिश्व का पहला ध्यान दिवस परी दिनया के साथ सोनारी के मेरीन ड्राइव स्थित यूनिवर्सल पीस पैलेस में मनेगा। झारखंड



स्थित सेवा केंद्र में

शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज की कोल्हान प्रभारी अंजू बहन, माउंट आबू से आए दिव्य सेवा विंग के सूर्यप्रकाश, कालीचरण व डॉ. पीयुष रंजन ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

#### नेताजी जयंती पर कल होगी चित्रांकन प्रतियोगिता

GHATSILA: नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर कई कार्यक्रम होंगे।



आयोजन समिति की बैठक गौरीकुंज परिसर में हुई। इसमें अध्यक्ष तापस चटर्जी, असीत वरण हुई, शिल्पी सरकार, मृणाल कांति विश्वास, दुर्गा पद हाटुई, अपूर्व कुमार घोष, संजय सिन्हा, किरण कुमार, कंतो लाल दास, सोमा सरकार, पूर्णिमा राय आदि शामिल थीं।

#### साकची में संत गाडगे को दी गई श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : संत गाडगे जागृति मंच ने शुक्रवार को भीमराव



अंबेडकर चौक, साकची में संत शिरोमणि गाडगे बाबा की पुण्यतिथि मनाई। संस्था के सदस्यों श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद प्रतिरोध सभा भी की। इस दौरान संस्था के

उपेंद्र रजक, गोपाल रजक, विनोद रजक, रामचंद्र प्रसाद आदि मौजूद थे।

#### पत्रकार पवन शर्मा की मनाई गई पुण्यतिथि

CHAKRADHARPUR: चक्रधरपुर शहर के पवन चौक पर शुक्रवार को शहीद पत्रकार पवन शर्मा की 35वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके



पर स्व. पवन शर्मा के बड़े भाई मक्खनलाल शर्मा, दिलीप बनर्जी, रोहन निषाद, सुनील सिन्हा,

#### विधायक ने किया धान खरीद केंद्र का उद्घाटन

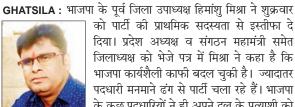
CHAKRADHARPUR: चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को विधायक सुखराम उरांव ने धान खरीद केंद्र का उद्घाटन किया। पहले



दिन चक्रधरपुर लैम्पस में किसानों ने 136 क्विंटल धान बहुत सारे किसानों द्वारा धान बेच दिया गया है। इसके बावजूद, जो किसान धान की

अधिप्राप्ति केंद्र में आकर आसानी से धान बेच सकेंगे

#### भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा



के कुछ पदधारियों ने ही अपने दल के प्रत्याशी को हराया। इस बीच उनकी काफी पहले से अनदेखी की जा रही थी।

#### झामुमो के 3 नेता पार्टी से निष्कासित

CHAKRADHARPUR: झामुमो ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के 3 नेताओं को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है, जिसमें जिला के पूर्व संयुक्त सचिव सुनील कुमार सिरका, आनंदपुर प्रखंड अध्यक्ष अनिल जोसेफ भुईंया और चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले डॉ. विजय सिंह गागराई शामिल हैं।

#### संत नंदलाल विद्या मंदिर में मना क्रिसमस

GHATSILA: संत नंदलाल स्मित विद्या मंदिर में शक्रवार को क्रिसमस मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रशासक शोभा गनेरीवाल,



प्रबंधक डॉ. प्रसेनजीत कर्मकार, प्राचार्य नीलकमल सिन्हा और सभी शिक्षक व छात्र- छात्राएं उपस्थित थे। कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने क्रिसमस से

संबंधित गीत पर नृत्य एवं नाटक का प्रदर्शन किया।

# आलोक हत्याकांड में पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ता समेत ५ को किया गिरफ्तार

वर्चस्व को लेकर हुई हत्या, काली पूजा के बाद ही रची गई थी साजिश

कदमा थाना अंतर्गत शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर-4 के पास 18 दिसंबर की सुबह बाइक से आए अपराधियों ने आलोक भगत उर्फ आलोक मुन्ना की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में भाजपा नेता विकास सिंह साजिशकर्ता आकाश सिंह उर्फ छोट् बच्चा, विशाल कुमार उर्फ भीखे बाबा, पंकज साव उर्फ बच्चा और शक्ति विभार

ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयक्त तीन कट्टा, एक गोली और तीन खोखा बरामद किया है। शुक्रवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मामले का खुलासा किया।

भाजपा, जमशेदपुर महानगर

किसान मोर्चा ने राज्य में धान

खरीद प्रक्रिया में किसानों के साथ

हो रहे अन्याय और वादाखिलाफी

के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष

मुचीराम बाउरी के नेतृत्व में मोर्चा

के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को

उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री

को याद दिलाया कि चुनाव प्रचार

के दौरान उन्होंने किसानों से वादा

किया था कि धान का न्यूनतम

समर्थन मुल्य 3200 रुपये प्रति

क्विंटल दिया जाएगा, लेकिन इसे

घटाकर 2400 रुपये कर दिया गया

है। इसके अलावा, धान में नमी के



पुलिस गिरफ्त में आरोपी व पूरे मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल

बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा था। काली पजा विसर्जन के दिन भी दोनों के बीच झड़प हुई

किसानों के साथ हो रहा धोखा, 3200 की

जगह दिए जा रहे २४०० रूपये : भाजपा

उपायुक्त के माध्यम से सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

नाम पर प्रति क्विंटल 10

किलोग्राम की कटौती की जा रही

है। मोर्चा ने इसे किसानों के साथ

धोखा और उनकी मेहनत का

अपमान करार दिया। किसान मोर्चा

ने कहा कि झारखंड के किसान

राज्य की खाद्य सुरक्षा और

आर्थिक मजबूती की रीढ़ हैं।

बावजद इसके. सरकार उनके

अधिकारों और हकों को कचलने

• फोटोन न्यूज

साबित हो रहा है। जियाडा के

निदेशक दिनेश रंजन ने कहा कि

भाषा जहां भाषाविदों के बीच एकता

लाती है। विवि के कुलाधिपति

सुखदेव महतो ने कहा कि

अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव हिंदी

भाषा के लिए एक छोटा सा प्रयास

है। इस मौके पर संस्थापक शंभ

महतो, संध्या महतो, विश्वविद्यालय

के वरिष्ठ सलाहकार कौशिक मिश्रा.

वक्ता सदानंद शाही, विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. डॉ. एसएन सिंह,

आस्तिक महतो, साहित्यकार डॉ.

क्षमा त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

आलोक की हत्या की योजना शुरू की थी। घटना के दिन सभी ने आलोक को रोका। आकाश ने पहली गोली चलाई, जो आलोक

गिर गया। आलोक ने खुद को संभाला और पास ही एक घर में घुस गया। विशाल और पंकज ने आलोक का पीछा किया और घर में घुसकर उसे फिर गोली मारी। सभी गली के अंदर से होते हुए

# अवैध बालू लदे ४ ट्रैक्टर जब्त बालू माफिया में मचा हड़कंप



CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले में बालू के अवैध उत्खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से बालू के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा है.गुरुवार को मध्य रात्रि में चक्रधरपुर पोड़ाहाट की एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी ने अवैध बालू लदे 4 ट्रैक्टर बालू जब्त किए। एसडीओ ने गुप्त सूचना पर मध्य रात्रि में चक्रधरपुर-सोनुवा पहुंचीं, जहां मुख्य मार्ग पर गुदड़ी से अवैध बालू लदे ट्रैक्टर चक्रधरपुर आ रहे थे। एसडीओ ने ट्रैक्टरों को रुकने का इशारा किया, तो चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद एसडीओ ने सभी अवैध बाल लदे टैक्टरों का जब्त कर चक्रधरपुर थाना भेज दिया।

#### भाजपा नेताओं ने किया विरोध

नेताओं ने विकास सिंह की गेरफ्तारी का विरोध शुरू कर दिया। भाजपा नेताओं और समर्थकों ने विकास को लेकर जा रही पुलिस के वाहन को घेर लिया और हंगामा करने लगे। भाजपा नेताओं का कहना था कि विकास को बिना वजह फंसाया गया है। हालांकि पुलिस द्वारा समझाने के बाद मामला शांत हुआ।

#### ये है मामला

बता दें कि बुधवार सुबह आलोक भगत पूजा के लिए फूल लेने घर से निकला था। वापसी के क्रम में अपराधियों ने उसे रास्ते में रोका और उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। परिजनो ने आलोक को इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया, जहां दिया गया। घटना के बाद गुस्साऐ परिजनों ने घटनास्थल के पास हंगामा भी किया। वहीं आरोपियों के घर के बाहर पथराव भी किया गया।

#### भाई ने ६ लोगों पर दर्ज कराई एफआईआर

इधर, घटना के बाद मृतक के भाई मनोज भगत ने छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कदँमा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मनोज ने आकाश सिंह उर्फ छोट बच्चा, मोहित सिंह, राजन सिंह, विकास सिंह, मनीष पांडेय और सुमित सिंह पर आरोप लगाया है। प्राथमिकी में मनोज ने पुलिस को बताया कि आलोक सुबह 10.30 बजे पूजा के लिए फूल लेने के लिए निकला था। इसी वापसी के दौरान सरस्वती शिंश मंदिर के पास आरोपियों ने उसे घेर लिया। आकाश ने आलोक के सीने में गोली मारी, जिससे आलोक बाइक से गिर गया। वह किसी तरह उटा और अपनी जान बचाने के लिए पास ही बिल्लू के घर में घुसा, पर आरोपी उसका पीछा करते हुए उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आलोक को टीएमएच पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

### चक्रधरपुर में सिरकटी लाश मिलने से क्षेत्र में दहशत

CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर अनुमंडल में हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नया मामला चक्रधरपुर प्रखंड का है, जहां एक सिरकटी लाश मिली है। उटुटुवा-बाईपी गांव के बीच शुक्रवार की सुबह पुलिस ने एक अधेड़ व्यक्ति की लाश बरामद की है। सूचना मिलने के बाद चक्रधरपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय उटुटुवा और उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाईपी के बीच एक अधेड़ व्यक्ति का सिर कटी लाश को ग्रामीणों ने देखा। इसके बाद मुंडा को सूचना दी गई। वहीं पलिस ग्रामीणों से पूछताछ करते हुए मृत्यु व्यक्ति की



• पुलिस मामले की कर रही जांच, कपडों से पहचान के लिए रेलवे अस्पताल के शीतगृह में रखा गया शव

का सिर नहीं होने के कारण अधेड़ व्यक्ति का पता नहीं चल सका। इधर पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए शव को रेलवे अस्पताल के शीतगृह में रख दिया गया है, ताकि मृत अधेड़ व्यक्ति के कपड़ों से पहचान हो सके। वहीं पुलिस अधेड़ व्यक्ति के सिर की तलाश कर रही है। इस घटना से क्षेत्र में काफी दहशत है।

### हिंदी को समर्पित अंतरराष्ट्रीय महोत्सव पर हमें गर्व : विधायक



कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं

JAMSHEDPUR : यह सौभाग्य है कि इस क्षेत्र में हिंदी को समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का महोत्सव हो रहा है और हम सब इसका हिस्सा बन रहे हैं, यह गर्व की बात है। ये बातें शुक्रवार को श्रीनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय श्रीनाथ अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव के पहले दिन मुख्य अतिथि ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने कहीं। वहीं बीएचयु के प्रोफेसर प्रभाकर सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में हिंदी के उत्थान में यह महोत्सव बेहद ही उपयोगी



चेतावनी दी कि यदि सरकार ने

आंदोलन छेड़ा जाएगा। मुचिराम

बाउरी ने कहा कि किसानों के साथ

हो रहे शोषण को कतई बर्दाश्त

नहीं किया जाएगा। सरकार को

तत्काल धान के न्यूनतम समर्थन

मुल्य को बढ़ाकर 3200 रुपये प्रति

क्विंटल करना होगा और कटौती

की प्रक्रिया को बंद करना होगा।

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस थाना अंतर्गत कैरेज कॉलोनी निवासी हरीश साह को बस्ती के ही रहने वाले भोला पांडेय समेत उसके परिवार वालों ने मारपीट कर घायल कर दिया। हरीश पर लाठी-डंडे के अलावा ईंट पत्थर से वार किया गया। घटना के बाद हरीश घायल अवस्था में इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचा, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। हरीश के सिर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें आई हैं। हरीश ने बताया कि वह बाइक से अपने घर जा रहा था। तभी बस्ती के ही भोला पांडे और उसके परिवार वालों ने मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर सभी ने ईट से भी मारा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

#### बर्मामाइंस में युवक को मारकर किया घायल होमगार्ड जवान को दी श्रद्धांजलि परिवार को मिलेगा सहयोग



गरमनाला स्थित कार्यालय परिसर में सलामी देते होमगार्ड के जवान

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के खासमहल स्थित एएमडी कार्यालय में तैनात होमगार्ड जवान का शक्रवार सुबह निधन हो गया। उनका इलाज टीएमएच में चल रहा था। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर उन्हें रिम्स रेफर किया गया था. लेकिन रिम्स ले जाते समय रास्ते में उन्होंने दम तोड दिया। होमगार्ड जवान के निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को साकची

स्थित गरमनाला होमगार्ड कार्यालय में श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर होमगार्ड डीएसपी एचएस मुंडा भी मौजूद थे। डीएसपी ने बताया कि जवान के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए 10,000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद और मृतक के आश्रित को अनुकंपा के आधार पर नौकरी

#### १४ पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार



**CHAKRADHARPUR** 

चक्रधरपर थाना की पलिस ने नशे का कारोबार करने वाले एक युवक को दबोचकर जेल भेज दिया है। युवक राजा सिंह चक्रधरपुर के वार्ड-3 के टोकलो रोड केनाल मोड के पास का रहने वाला है। उसके पास से पुलिस ने 14 पुड़िया ब्राउन शुगर, पर्स में रखे 4835 रुपये नगद और दो रेलवे टिकट बरामद किया है।

#### बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह के संसद में दिए बयान से मचा बवाल

# कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, मांगा गृह मंत्री का इस्तीफा

#### PHOTON NEWS JSR:

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर से संबंधित एक बयान दिया था, जिसे लेकर पहले गुरुवार को संसद में हंगामा हुआ। अब शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने देश भर में विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में प्रदर्शन एवं मांग पत्र सौंपा गया।

इसमें राज्यसभा में घटित घटना एवं प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर फर्जी एफआईआर दर्ज किए जाने का विरोध किया गया है। प्रदर्शन के उपरांत उपायुक्त के



उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित मांग पत्र में कहा गया है कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में उनकी अपमानजनक आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ घोर भर्त्सना करते हैं। उक्त टिप्पणी हमारे संविधान निमार्ता के अद्वितीय विरासत का अपमान करती है। उन लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, जो डॉ. अंबेडकर को समानता एवं न्याय और सामाजिक परिवर्तन के रूप में मानते हैं। शुक्रवार को संसद में भाजपा सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष, प्रतिपक्ष के नेता एवं अन्य सांसदों के साथ दुर्व्यवहार करने का प्रयास करके नई कृति का उत्तर दिया है। हताशा में उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ झुठी एफआईआर दर्ज

#### घाटशिला में फूंका गृह मंत्री अमित शाह का पुतला GHATSILA : बाबा साहेब डॉ .

भीमराव अम्बेडकर का गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा अपमान किए जाने तथा विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ झूठा मुकदमा दायर करने के विरोध में शुक्रवार को झारखंड कांग्रेस प्रदेश सचिव सनत काल्टू चक्रवर्ती के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा घाटशिला में गृहमंत्री का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर सनत काल्ट्र चक्रवर्ती ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एक स्वतंत्रता सेनानी, समाज सधारक, भारतीय संविधान के निमार्ता तथा देश के पहले कानून मंत्री थे. गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में संविधान पर चर्चा के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया गया। बीजेपी द्वारा पिछले 10 साल के शासन काल में हर संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक संस्थाओ को खत्म किया जा रहा है।



झामुमो ने साकची में किया पुतला दहन

JAMSHEDPUR : गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में दलित एवं आदिवासियों पर दिए गए वक्तव्य के विरोध में झामुमो, पूर्वी सिंहभूम ने शुक्रवार को साकर्ची गोलचक्कर पर अमित शाह का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रमोद लाल, पूर्व सांसद सुमन महतो शेख बदरुद्दीन, वीर सिंह सूरीन, सरोज महापात्र, अरुण प्रसाद, फैयाज खान कमलजीत कौर गिल, चंद्रावती महतो, बब्बन राय, विक्टर सोरेन, नंटु सरकार, राज लकड़ा, अजय रजक, झरना पाल, दुर्गा बोईपाई, सविता दास, राजा सिंह, फतेह चंद्र टुडु आदि थे।

#### कांग्रेसियों ने किया आक्रोशपूर्ण विरोध प्रदर्शन

CHAIBASA : संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न बाबां साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिए की गई टिप्पणी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर झुटा मुकदमा किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने शुक्रवार शाम को शहीद पार्क चौक, चॉईबासा में आक्रोशपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव त्रिशानु राय ने कहा कि भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के बारे में आपत्तिजनक अपमानजनक टिप्पणी के लिए केंद्रीय गह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। ये टिप्पणियां हमारे संविधान निमार्ता की अद्वितीय विरासत का अपमान करती है और उन लाखों लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाती है जो डॉ. अंबेडकर को समानता, न्याय और सामाजिक परिवर्तन के प्रतीक के

रूप में मानते है।

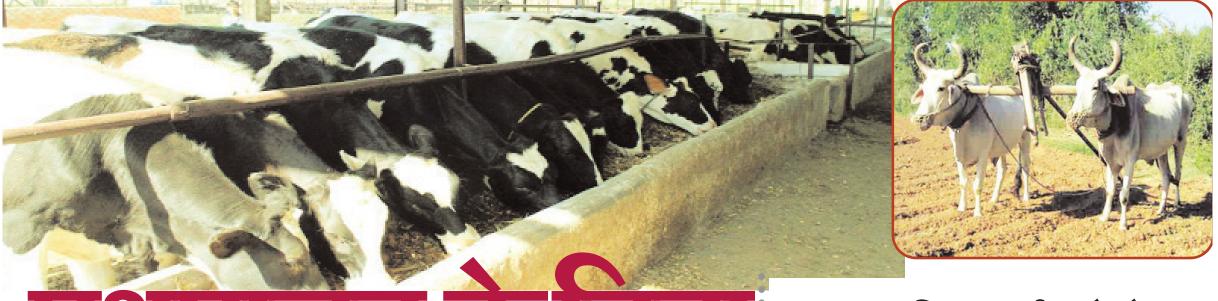
# राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर लगे प्रश्निचह को मिटाना है : मंत्री



कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री रामदास सोरेन

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय का पहला स्थापना दिवस समारोह शंखनाद-2024 शुक्रवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि राज्य के स्कूली शिक्षा, साक्षरता और निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर लगे प्रश्निचह्न को मिटाना है। इसके लिए सरकार शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने और संरचनात्मक विकास करने का प्रयास कर रही है। अभी

2 इंजीनियरिंग कॉलेज और 30 डिग्री कॉलेज खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य के छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए सरकार काम कर रही है। राज्य सरकार सभी को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती है, लेकिन यहां के छात्र इस विश्वविद्यालय से तकनीकी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर स्वरोजगार प्राप्त कर



# पश्पालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं।जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई।स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।



से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
  - भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये खें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में 👤 पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त 🥉 मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि • अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी 🍷 उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा 💂 के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों 🥉 करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- 🗨 पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को 💃 बढाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को 🏅 बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी
- बनाये जा सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। 🍨 पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये 🗨 मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को 🥉 फसलोत्पादन से जोडने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर 🍨
- बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है। • एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन • अविध जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो 🍨 जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पश्रु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से 🥉 लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु 🍨 पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के 🍨 साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। 🏅 यदि बढी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार 🥉 किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों 🥊 अनदेखा नहीं किया जा सकता है।



# रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

• मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का

● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सुक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल

गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है। उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

• उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. • बीज जिनत रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. • किस्म की पकने की अविध के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. • सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. • रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. • समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

# दूध के साथ रेशम उत्पादन

# मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक <mark>नुकसान के कारण आत्महत्या</mark> तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं। खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ <mark>जायकेदार पाई गई। उनकी</mark> पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

<mark>एक गाय को उसके शरीर पोषण हेत</mark>ु रोजाना ७ ग्राम कैल्शियम तथा ७ ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर करें.

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबिक सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

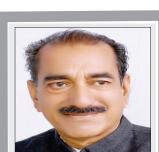
रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल

# दुनिया में मानवाधिकारों का हनन? ज्वलंत प्रश्न



विजय कुमार जैन

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानून विद डॉ भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निमार्ताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समुचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किये हैं। रत के संविधान में संविधान निमार्ताओं ने आम नागरिक के अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इन्हें संविधान में नीति निदेशक तत्व कहा है। नीति निदेशक तत्वों में विश्व बंदनीय अहिंसा के अवतार भगवान महावीर के पावन संदेश जियो और जीने दो के साथ विश्व शांति प्राणी मात्र के कल्याण की भावना समाहित की गई है। इसी प्रकार मौलिक अधिकारों में आम आदमी के सर्वांगीण विकास की कानूनी व्यवस्था

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानून विद डाँ भीमराव अंबेडकर के नेतत्व में संविधान निमार्ताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किये हैं। मानवाधिकारों की रक्षा हेतु सर्वप्रथम ब्रिटेन में सन 1215 में महान घोषणा पत्र प्रकाशित हुआ। इस घोषणा पत्र में उल्लेख किया है किसी नागरिक को उस समय तक बंदी न बनाया जाये और न ही निर्वासित किया जाये, जब तक उसका अपराध सिद्ध न हो जाये। ब्रिटेन में ही सन 1679 में बंदी प्रत्यक्षीकरण अधिनियम पारित किया गया। जिसमें व्यवस्था की गई कि बिना अभियोग चलाये किसी भी व्यक्ति को नजरबंद नहीं रखा जा सकता। ब्रिटेन में ही सन 1689 में अधिकार पत्र पारित कराया इसमें अन्य बातों के अलावा यह व्यवस्था थी कि संसद में जनता के प्रतिनिधियों को भाषण की स्वतंत्रता होगी। दुनिया में मानवाधिकारों की रक्षा पर अटलांटिक चार्टर सन 1941 एवं संयक्त राष्ट्र संघ घोषणा 1942 से बल मिला। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में मूलभूत मानवीय अधिकारों में गौरव तथा मूल्यों में, स्त्री व पुरुषों के समान अधिकारों को पुनः स्वीकार किया गया। कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस मानवाधिकार घोषणा पत्र में प्रस्तावना सहित 30 अनुच्छेद हैं। इसके बाद 1993 में वियना में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिये सम्मेलन हुआ। जिसमें 171 देशों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया। जिसका अनुमोदन दिसंबर 1993 में संयक्त राष्ट्र संघ महासभा में किया। वियना घोषणा में उल्लेख किया बड़े पैमाने बाले मानवाधिकारों के हनन, विशेष कर जनसंहार, जातीय विद्वेष और बलात्कार,



आत्मनिर्णय, वर्तमान और भविष्य की पर्यावरण संबंधी जरूरतों, परेशानी में रह रहे लोगों, विशेष रूप से अप्रवासी श्रिमिकों, विकलांग व्यक्तियों और शरणार्थियों के साथ महिलाओं और बालिकाओं के मानवाधिकारों पर बल दिया गया । यहाँ यह विचारणीय प्रश्न है यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों की हर स्तर पर रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। दुनिया का हर देश भी चाहता है उसके नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। परन्तु सरकारें यह जानते हुए कि उनकी रक्षा करना चाहिए, व्यवहारिक रूप देने में असफल हैं। भारत में हम आम नागरिकों की स्थित को देखें तो आजादी के 75 वर्ष बाद भी दयनीय स्थिति है। ग्रामीण अंचल में आज भी छुआछूत नहीं मिटा है। दिलतों को गाँव के कुए से पानी नहीं भरने दिया जाता है। गाँव के जमींदार ठाकुर साहब या मुखिया के मकान के आगे से भी दिलतों हिरजनों को जूते चप्पल पहनकर निकलने की

अनुमति नहीं है। ग्रामीण अंचल में दलितों को अपने बेटे

की बारात दुल्हे को घोड़े पर बैठाकर निकालने की अनुमति नहीं है। कोई हरिजन दलित इन पुराने दिकयानूसी नियमों को तोड़ने का दुस्साहस करता भी है तो उस पर अनेक अत्याचार होते हैं। गोली चल जाती है मकान खेत में आग लगा दी जाती है। गाँव से ही निकाल दिया जाता है।हमारे देश भारत में ही करोड़ों बच्चे भीख मांगते देखे जाते हैं। 10 से 15 वर्ष के बच्चे देश में लाखों करोड़ों की संख्या में रेल स्टेशनों के आसपास प्लास्टिक की थैली एवं प्लास्टिक की पानी की खाली बोतल एकत्रित करते दिख जायेंगे। गरीब के बच्चे पढ़ते भी हैं तो उन्हें कक्षा 5 में जोड़ना घटाना नहीं आता है। उन्हें 10 तक पहाड़ा नहीं सिखाया जाता है। इन सब विसंगतियों के वावजूद उन्हें कक्षा 5 तक अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण कर दिया जाता है। भारत में बाल मजदुरी पर प्रतिबंध के वावजूद करोड़ों 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे बाल मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है। रहने, जीवन यापन करने, रोटी कपड़ा मकान की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।सरकार स्वयं संविदा में कर्मचारियों की नियुक्तियां करती है। इनमें कुछ नियुक्तियाँ तदर्थ करती है। क्या इन्हें समान कार्य के लिये समान वेतन,अवकाश, पेंशन आदि की सुविधा मिलती है?

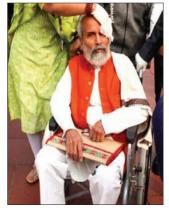
कोरोना महामारी के भारी प्रकोप के कारण देश व्यापी लाँकडाउन24 मार्च 2020 को 21 दिन का लगाया। हजारों उद्योग एवं फेक्ट्री बंद हो जाने से लाखों मजदूर भुखमरी के शिकार हो गये। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, विहार के मूल निवासी मजदूरों का पलायन हुआ। अपने अपने प्रदेश सुरक्षित पहुचने की आशा से उन मजदूरों ने रेल एवं बस की सुविधा नहीं मिलने पर पैदल यात्रा सैकड़ों एवं हजारों किमी की सड़क मार्ग से की। भूखे प्यासे मजदूरों की सहायता स्वयं सेवी संस्थाओं ने उदारता से की। इन असहाय दुखी मजदूरों की सहायता करने सरकार ने मानवीयता का परिचय नहीं दिया। मानवाधिकारों के हनन का इससे बड़ा उदाहरण मिलना असंभव प्रतीत होता है।

भारत में सबसे ज्यादा शोषण बाल मजदूरी के नाम पर नौनिहालों का हो रहा है।बाल मजदूरी के नाम पर एक घटना का उल्लेख कर रहा हूँ, इस घटना से मैं स्वयं वहुत दुखी हुआ हूँ। बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करने बाले भारत माता के महान सपूत श्री कैलाश सत्यार्थी जी को सन 2015 में नोवल शांति पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान मिला तो दुनिया में हम भारतवासियों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ। नोवल शांति सम्मान मिलने पर श्री सत्यार्थी जी 6 जनवरी 2016 को गुना पधारे। गुना में उनकी भव्य शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में घोड़ा चल रहा था, उस घोड़े की रस्सी हाथ में लेकर 10 वर्ष का बाल मजदूर चल रहा था। श्री सत्यार्थी जी को भी पता नहीं था, जिस बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करते रहे हैं, गुना बालों ने उन्हें दिखा दिया कि आप संघर्ष करते रहें बाल मजदूरी दुनिया से समाप्त नहीं हो सकती। सारी दुनिया मानवाधिकारों की रक्षा के लिये कानून बना रही है। इन कानूनों का पालन नहीं हो रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिये सरकारों के साथ साथ आम आदमी की दूषित मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक है। (लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है)

### संपादकीय

#### हे राम!

ंआखिर यह हो क्या रहा है? जो कुछ हो रहा है क्या वह सचमुच दुनिया के विशालतम लोकतंत्र की संसद में ही हो रहा है? गली-मोहल्ले में खेल-खेल में लड़-भीड़. जाने वाले, तू-तू-मैं-मैं पर उतर जाने वाले, एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करने और पहले तूने गाली दी, तूने धक्का दिया, तूने बेईमानी की, तूने झूठ बोला जैसे गली छाप वातार्लाप में लिप्त हो जाने वाले निठल्ले, आवारा लड़कों की याद दिला रही है संसद। संसदीय व्यवहार इतना उथला, अभद्र और अशोभनीय हो चला है कि इस पर कोई गंभीर या विचारपरक टिप्पणी करना भी कठिन होता जा रहा है। आखिर गृह मंत्री अमित शाह ने ऐसा क्या कह दिया था कि आसमान गिरता हुआ लगे या धरती फटती हुई दिखे। अमित शाह ने



यही तो कहा था कि आप हर समय अंबेडकर-अंबेडकर करते रहते हैं। अगर इतनी रटन भगवान को लेकर की गई होती तो स्वर्ग मिल जाता। अब इसमें कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान देख लिया। कैसे देख लिया, कहां से देख लिया यह कांग्रेस अभी तक नहीं बता पाई है, लेकिन कांग्रेस की देखा-देखी विपक्षी इंडिया गठबंधन के हर घटक ने इस कथित अपमान को लपक लिया

और अब इनमें से कोई अमित शाह का इस्तीफा मांग रहा है तो कोई मोदी से अमित शाह को बर्खास्त करने की गुहार लगा रहा है तो कोई भाजपा के कथित अंबेडकर के अपमान पर आंदोलन चलाने पर उतर आया है। उधर भाजपा ने कांग्रेस और अंबेडकर के रिश्ते का इतिहास उड़ेल कर रख दिया है जो बताता है कि अंबेडकर की उपेक्षा, अवहेलना या अपमान अगर सबसे ज्यादा किसी ने किया है तो कांग्रेस ने किया है। शायद कांग्रेस को यह अच्छा नहीं लगा कि अंबेडकर के साथ भगवान को रखा जाए। उसे स्पष्ट कहना चाहिए था कि अंबेडकर के साथ भगवान को बिठाना अंबेडकर का अपमान है क्योंकि वह अंबेडकर को ही अपना भगवान मानने लगी है। शायद अमित शाह से भी चक हो गई। उन्हें भी समझना चाहिए कि विपक्षी दलों को भगवान का नाम लेने से मोक्ष प्राप्त नहीं होगा बल्कि अंबेडकर के नाम की माला जपने से दलित सधेंगे, उसके पक्ष में वोट करेंगे और अंततः सत्ता रूपी स्वर्ग तक पहुंचाएंगे। इस समय भगवान नहीं बल्कि अंबेडकर ही जपने के लिए भगवान हैं; भले भीतर कितना भी कपट क्यों न भरा हो। अंत में प्रार्थना ही की जा सकती है कि हे भगवान इन्हें सद्बुद्धि दें?

#### चिंतन-मनन

#### कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसिलए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या किठन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ?सा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं किठन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत किठन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही किठन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलिमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला-भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ?से ही काम करेगा।



ांजय गोस्वामी

ल ही में बेंगलुरु के एक एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली और सुमाईड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वाले व जज को भी अपनी मौत का जिम्मेवार बताया है आज लोग ऐ जान गए कि आखिर पत्नी से सही में बहुत परेशान था क्योंकि मरने से पहले कोई झूठ नहीं बोलता है अतः कुछ पत्नी पित को लूटने का काम कर रही है जिससे सावधान होने की जरुरत है इसका सबसे बड़ा दर्द उसके बूढ़े माता पिता को हो रहा है बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की मां बस अपने बेटे को याद कर रही हैं और बहुत सी बातें बड़बड़ा रही हैं। उनसे बेटे का जाना सहन नहीं हो रहा है। उनका कहना है, मेरे बच्चे को बहुत टार्चर किया गया है, मेरे बुढापे का सहारा चला गया।

आत्महत्या की वजह क्या होती है इसे जानना जरुरी है दरअसल जब या तो निराशा हाथ लगती है या किसी व्यक्ति का बार बार शोषण करना यह कोई जरुरी नहीं है कि शादी शुदा व्यक्ति के साथ होता हो ऐ इज्जत को किसी के कारण बार बार बेइज्जती करने या किसी को बार बार परेशान करने से आदमी में इतना गुस्सा आता है कि खून का घूंट पीने से अच्छा मर जाना अच्छा समझता हो लेकिन आत्महत्या कराने पर मजबूर करने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना जरुरी है इस नर या नारी के दृष्टिकोण से नहीं बिल्क मानवता की दृष्टिकोण से न्याययालय को देखना चाहिए मुझे याद आता है वो दिन जब मैं भी 2006 में अपने बांस श्रीमती शैलजा मैडम से काफी परेशान हो गया और मैं

# समय का इंतजार करें आत्महत्या ना करें



हिंदी बोलने वाला आदमी वह जानबूझकर इंग्लिश बोलकर मेरा मजाक उड़ाती थी आत्महत्या करने की इच्छा उस समय जागी जब हिंदी के किसी कार्यक्रम से तुरंत ही बुला लिया बाद में ध्यान किया ईश्वर ने कहा समय बलवान होता है इससे तुम्हारा ही नुकसान होगा अतः ऐसा करना उचित नहीं है बाद में ईश्वर का चक्र देखिए कि 2012 में शैलजा मैडम के सीनियर श्री गलांडे सर हुए और बाद में मुझे शांति मिली क्योंकि वो उससे पहले मेरे बॉस रह चुके थे फिलहाल अभी श्रीधर सर हैं जो एक महान व्यक्ति हैं उनकी महानता इस बात से साबित होती है कि छोटे से बड़े को भी एक ही नजर से देखते हैं,अतः समय का इंतजार कीजिये जो जैसा करता है उसे वैसा ही परिणाम मिलता है इसलिए हमें ना तो किसी को जानबूझकर डराना चाहिए ना ही किसी से डरने की जरुरत है

ज्यादा से ज्यादा क्या होगा मौत तो नहीं होगा ईश्वर ने जन्म दिया है ईश्वर ही मौत देगा अतः उसका डटकर मुकाबला कीजिये समय की नजाकत है कभी यूपीए की सरकार आती है कभी एनडीए की परिवर्तन संसार का नियम है और ईश्वर आपका सबसे बड़ा परमात्मा है उसे याद कर बुरे वक़्त से मुकाबला करें और अपने काम को बेहतरीन करने की कोशिश करें तािक उसे कोई दूसरा कर ही ना पाए मेहनत कीजिये और ध्यान ईश्वर पर लगाइये बुरा करने वाले का भी सूद सिहत उसका भी बुरा होगा ऐ प्राकृतिक का नियम है कहावत है तेरा तुझको सोंप कर क्या लागे मेरा

यह जानना हमेशा उत्साहवर्धक होता है कि हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारे पास विकल्प होता है, भले ही हम अंततः पहले से मौजूद या प्रस्तावित विकल्प ही क्यों न चुनें। यह जानना कि हमारे पास

विकल्प है, हमें सशक्त बनाता है! यह तथ्य कि हमारे पास विकल्प है, हमें ऐसा महसूस कराता है कि हम अपने जीवन के प्रभारी हैं और अपने भाग्य के मार्ग को नियंत्रित कर रहे हैं। हर कोई हर पल चुन रहा है। मैं खुश या क्रोधित या शांत रहना चुन सकता हूँ। एक बार जब मैं जीवन को विकल्प के इस दृष्टिकोण से देखने में सक्षम हो जाता हूँ, तो मैं जीवन और दूसरों के नाटक के अधीन नहीं रह जाता। प्रत्येक मोड़ पर मैं नियंत्रण रखना चुन सकता हूँ, या अन्य रोगियों को मुझे नियंत्रित करने की अनुमति दे सकता हूँ। शांत रहना एक उपहार है जिसे हम क्रोध और भय के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए खुद को दे सकते हैं जो हमारी आंतरिक स्थिरता को हिला देता है और पारस्परिक संबंधों, हमारे पारिवारिक जीवन और हमारे काम और सामाजिक वातावरण की गुणवत्ता को खराब करता है। एक शांत आचरण कमजोर या निष्क्रिय नहीं होता है, बल्कि यह आंतरिक शक्ति की स्थित से आता है जो हमें किसी स्थित का सामना करते समय स्थिर रहने की अनुमित देता है। एक शांत आचरण एक अंतर्निहित आत्म-सम्मान को इंगित करता है और हमारे अपने मन में आत्मविश्वास को प्रकट करता है। जब हम आक्रामक या हिंसक होने के बजाय शांत रहना चुनते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने गुस्से को नियंत्रित या दबा रहे हैं; बल्कि, हम अपने और दसरों के लाभ के लिए अच्छाई के मार्ग पर चलने का एक सचेत और शांत विचार वाला स्वैच्छिक निर्णय ले रहे हैं।गंभीरता से. हमें समय के साथ शांति का भंडार बनाना होगा। हालाँकि मुश्किल समय में शांत रहने के बारे में सोचा गया एक शक्तिशाली शरीर आपको हौसलामंद रख सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कि आपके पास शांति का भंडार है, आपको हमेशा आत्मविश्वासी और बेफिक्र बनाए रखेगा।

मन की एक साफ और शुद्ध स्थिति सभी सकारात्मक विचारों को उत्पन्न करने में सक्षम है। मन से अव्यवस्था को दूर करने से आपको शांत और शांत रहना आसान हो जाएगा।

# अश्विन का संन्यासः हैरान कर गया संन्यास का फैसला



मनोज चतुर्वेदी

रत के किरशमाई स्पिनर रिवचंद्रन अश्विन ने बीच ऑस्ट्रेलियाई दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। पिछले कुछ समय से घुटने की तकलीफ की वजह से अश्विन के संन्यास लेने की चचाएं चल रहीं थीं, पर बीच दौरे में संन्यास लेने की घोषणा करना थोड़ा हैरान करने वाला है। वह भी तब अगले दो टेस्ट मेलबर्न और सिड़नी में खेले जाने हैं, यहां दो स्पिनरों को खिलाया जा सकता है। इससे ऐसा लगता है कि सीरीज के पहले टेस्ट में पहली बार उनकी मौजूदगी में वाशिंगटन सुंदर के रूप में किसी दूसरे ऑफ स्पिनर को खिलाया गया, उससे शायद उन्हें यह भरोसा नहीं रहा था कि दो स्पिनर खिलाए जाने पर भी उनका खेलना पक्का भी है।

अश्वन गाबा पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के ड्रा होने से पहले ड्रेसिंग रूम में विराट से बात करते हुए भावुक नजर आए। विराट उनके कंधे पर हाथ रखे हुए थे और अश्वन के आंसू पोंछ रहे थे। इसके बाद संवाददाता सम्मेलन में रोहित शर्मा

के साथ अश्विन के आने से यह साफ हो गया कि कछ खास है। संवाददाता सम्मेलन में अश्विन ने कहा. मैं आपका ज्यादा समय नहीं लुंगा। आज मेरा भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में आखिरी दिन है। मुझे लगता है कि क्रिकेटर के तौर पर मेरे अंदर कुछ पंच बाकी है, इसे मैं क्लब स्तर की क्रिकेट में दिखाना चाहंगा। इससे ऐसा लगता है कि वह पहले टेस्ट में नहीं खिलाए जाने और दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलने के बाद तीसरे टेस्ट में नहीं खिलाने से उन्हें लगने लगा कि टीम को अब उनकी जरूरत नहीं रह गई है। लगता है कि इस सोच ने ही उन्हें बीच सीरीज संन्यास लेने के लिए प्रेरित किया। यह सही है कि वह पिछले कुछ समय से अपनी घुटने की तकलीफ को लेकर परेशान थे और वह संन्यास के बारे में सोचने लगे थे। पर न्युजीलैंड के खिलाफ सीरीज हारने और स्तरीय गेंदबाजी नहीं कर पाने के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले उनके मन में दोहरी सोच चल रही थी। पर एक बार दौरे पर जाने का फैसला कर लिया तो यह माना जा रहा था कि इस सीरीज को खेलेंगे ही। पर ब्रिस्वेन टेस्ट में नहीं खिलाने से वह शायद टूट गए और संन्यास का फैसला कर लिया। अश्विन की ही तरह एक अन्य महान स्पिनर हरभजन सिंह का कहना है कि मैंने जब संन्यास लिया था, तब टीम से बाहर था, टीम के अंदर रहते संन्यास लेना बेहद मुश्किल फैसला है। मुझे लगता है कि भारत को अब घर में सीरीज अक्टूबर में खेलनी है। उससे पहले इंग्लैंड़ का दौरे करके पांच टेस्ट खेलने हैं। अश्विन बीच सीरीज में संन्यास लेने की वजह से अनिल कुंबले और महेंद्र सिंह धोनी की जमात में शामिल हो गए हैं। धोनी ने

2014 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बीच से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। धोनी के संन्यास लेने पर विराट कोहली कप्तान बने। वहीं कुंबले ने इंग्लैंड़ के खिलाफ 2008 की घरेलू सीरीज के बीच में संन्यास की घोषणा कर दी थी। अश्विन के नाम गेंदबाजी में ढेस्रों रिकॉर्ड. हैं और वह अनिल कुंबले के 619 विकेट के बाद देश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं और वह विकेट लेने के मामले में मुरलीधरन (८००), शेन वार्न (७०८), जेम्स एंड़रसन (704), अनिल कुंबले (619), स्टुअर्ट ब्रॉड़ (604) और ग्लेन मैकग्रा (563) के बाद सातवें नंबर पर हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 106 टेस्ट में छह शतकों और 14 अर्धशतकों से 3503 रन बनाए हैं। इस कद वाले खिलाड़ी का विदाई टेस्ट के साथ कॅरियर समाप्त होता तो कहीं बेहतर होता। भारत को अश्विन जैसे जादुई स्पिनर मिलने की कहानी कम दिलचस्प नहीं है। अश्विन ने एक बल्लेबाज के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत की थी। इस दौरान वह कभीझकभी पेस गेंदबाजी भी किया करते थे। वह 14 साल की उम्र तक एक ओपनर के तौर पर खेला करते थेडू लेकिन एक मैच में चोट लग जाने पर उन्हें करीब आठ माह तक क्रिकेट से अलग रहना पडा। वह ठीक होकर लौटे तो टीम में उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी ने ले ली थी। इससे अश्विन काफी निराश हो गए थे, लेकिन मां कहने पर उन्होंने स्पिनर बनने का फैसला किया।

उनके बचपन के कोच सीके विजय ने ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने की सलाह दी। कोच की इस सलाह ने



क्रिकेट जगत को अश्विन जैसा गेंदबाज देखने को मिला। अश्विन ने 2005 में चेन्नई स्थित एसएसएन इंजीनियरिंग कालेज में दाखिला ले लिया। पर अगले ही साल उनका तिमलनाडु. रणजी टीम में चयन हो गया। यह वह दौर था, जब क्रिकेट और पढ़ाई में सामंजस्य बनाना बेहद मुश्किल था। अश्विन क्रिकेट में कॅरियर बनाना चाहते थे, इसलिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ने का विचार बना ही रहे थे कि चोट लग जाने की वजह से क्रिकेट से दूर रहने के कारण वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने में सफल हो गए। अश्विन ने ऑफ स्पिन गेंदबाजी को जिस मुकाम पर पहुंचाया है, उसकी जगह लेने वाला दूसरा ढूंढना आसान नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5<sup>th</sup> Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Look beyond simultaneous polls

#### A democracy needs much more than the efficient conduct of elections

THE deliberations in the two-day debate on 75 years of the Constitution in Parliament saw the Congress and the Bharatiya Janata Party (BJP) highlighting their own commitment to the constitutional vision, but equally keen on pointing to lapses committed by the rival side.

Why the making of Constitution matters

Prime Minister Narendra Modi singled out the Congress for a no-holds-barred attack. He blamed the Nehru-Gandhi family for the subversion of the Constitution. He cited, for example, the Congress party's hand in suppressing the constitutional rights through the imposition of the Emergency and the role of Jawaharlal Nehru in the first amendment to the Constitution.Rahul Gandhi framed his intervention in terms of a conflict between the competing ideologies of civic nationalism and Hindutva, distinguishing the upholders of the Constitution from the supporters of Manusmriti — a text whose tenets challenge the basic premises of India's foundational doctrine.

The BJP relentlessly criticised the Congress as the principal offender when it comes to transgressions of the Constitution. However, the BJP overlooked that in some instances, it has surpassed the Congress in these transgressions. The debate was noteworthy in another respect, with doubts being raised about the Congress' preeminent role in Constitution-making. Defence Minister Rajnath Singh, while initiating the debate in the Lok Sabha, said attempts had been made to project the Constitution as a contribution of a particular party in the last few years. "Today, I want to make it clear that our Constitution is not the gift of a single party."It might be interesting to ask why this unhistorical reconstruction is being made. It's certainly not the "gift of one party". But, having been largely absent from the freedom struggle and the Constituent Assembly, we can, perhaps, sympathise with the impulse of the BJP to downsize the Congress' role and insert its own ideas in the proceedings from which it was basically absent.But this is not just about downplaying the Congress' role in drafting the Constitution. It demonstrates more stark attempts to further mainstream the BJP's discursive and political agenda of rewriting the national script to reinterpret events in consonance with the needs of contemporary Hindu nationalist politics. The BJP is unmistakably leveraging its power at the Centre for a calculated reconstruction of modern history. There is no shortage of historical analyses of the origins of the Constitution and, yet, repeated attempts are being made to misrepresent and misinterpret its history. One has to see the Constitution as the product of a collective deliberation that stretched over three years —more than 7,500 amendments were tabled and 2,500 moved and a document of almost 400 articles emerged, one of the longest of its kind. Its drafters were chosen by indirect elections. But it was Indians who drafted it. No colonial theory and practice was involved in shaping the Constitution. Our own versions of democracy, secularism and federalism driven by principles of equality, justice and fraternity underlined it. This vision of a new India of "equal citizens" was articulated in the Karachi Congress Resolution of 1931. It went on to become the core of the Congress campaign in the 1937 elections and later, formed the core of the Constitution.Contrary to the Defence Minister's claim that the Congress was not the only party which drafted the Constitution, the fact is that the vast majority of the Constituent Assembly's members were elected on a Congress ticket, leading to charges that the Assembly was entirely dominated by the Congress. Granville Austin, in his monumental study of The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation, notes that the "Constituent Assembly was a one-party body in an essentially one-party country...."Thanks to Mahatma Gandhi, BR Ambedkar was appointed Chairman of the Drafting Committee and he, undoubtedly, played an important role in drafting the Constitution.But the Drafting Committee was not entirely a free agency. The draft of the Constitution was discussed as per the views and recommendations of various subject committees

THE relationship between the electorate and the elected representatives is that of demand and supply. In a democracy, the latter work towards fulfilling the former's aspirations. The ruling party tries to keep its poll promises, sometimes working to fulfil its own vision of what it thinks is good for the people and the country. One Nation, One Election (ONOE) may be a part of the BJP's election manifesto, but surely it wasn't demanded by any section of society, even though some people felt that India suffered from "too much democracy". That the ruling party was convinced about the merits of ONOE was evident from the repeated assertions of its leadership and the way in which the terms of the Ram Nath Kovind committee were drafted. Its recommendations were a foregone conclusion, but the speed with which the government acted on it has surprised many. Having been elected with a truncated mandate, few expected the NDA government to vigorously pursue this matter, especially since its implementation is far away.

The 'farsightedness' of the government in wanting to legislate on something to be implemented a decade from now is intriguing. Similar alacrity was exhibited in passing the Women's Reservation Bill (Nari Shakti Vandan Adhiniyam, labelled "a post-dated cheque") before the 2024 General Election. The difference is complete unanimity in passing the women's Bill but a total divergence in opinion about the desirability of the Constitution (129th Amendment) Bill that pertains to ONOE.

The government won't mind referring the Bill to a joint parliamentary committee as this would satisfy the Opposition and reflect its own openmindedness. The passage of the Bill in a hurry might not be the objective; bringing it on the table and opening up the possibility of a consensus would serve the purpose as everyone would feel they are deliberating a 'grand' electoral reform. But is it so?

Simultaneous polls were held for 15 years after 1951 without an express provision to this effect in the Constitution. The chain was broken due to the vicissitudes and dynamics of power politics. The right to vote in favour or against a government is an essential ingredient of a democracy. While the Bill doesn't take away the right of withdrawing support to a ruling party, it offers the voters the right to elect a government for a curtailed period in order to complete the "unexpired term" of the government that is voted out. Thus, an outgoing elected regime would pave the way for an incoming elected substitute for a limited period.

The voter will be electing the playing eleven once

every five years to fulfil the fetish of simultaneous elections and elect 'extras' or a 'nightwatchman' to replace an injured main player (government). The current system applicable to electing members of Parliament or legislative assemblies in a byelection will now apply to the entire House in the event of mid-term polls. Parliamentarians may consider whether this twisting of the people's right would diminish the character of our democracy. What would be achieved by creating this duality? Is simultaneity such a sacred objective or a fundamental principle that issues affecting democratic choice should be thus subordinated to



managerial efficiency? The wisdom of the lawmakers is on trial. After all, the framers of the Constitution didn't provide for simultaneous elections and left it to the Election Commission of India (ECI) to act within the constitutional framework to deal with the exigencies of any situation. Nobody can dispute the benefits of a short, swift, single predictable exercise, especially when it involves a billion people. While holding elections is a routine democratic exercise, it is not like the UPSC conducting civil services exams once a year as per a fixed schedule. Administrative efficiency is desirable and there are ways in which the conduct of elections could be less time-consuming and involving less manpower. The excessive dependence on paramilitary forces, cited as a bottleneck forcing the ECI to conduct prolonged multi-phased elections, is due to the volatile nature of our politics and the vitriolic campaigning. The extant laws do empower the ECI to hold elections six months prior to the expiry of the term of any House, giving it a certain flexibility in scheduling and bunching elections for efficient management. However, recent examples show that the ECI has opted to stagger elections that could have been

easily combined. Clearly, expediency is more persuasive than a hidebound adherence to the principle of simultaneity.

Whether this so-called reform passes muster in Parliament or not, it is time the government and political parties took up more substantive electoral reforms pertaining to the issues of cash, crime, caste, community, the integrity of the electoral process, disqualification of candidates and capping the poll expenditure that have been suggested by the ECI and are languishing for long. Simultaneous elections are intended to reduce government expenditure in conducting elections, but what about controlling the

use of black money in polls, and finding transparent ways for political funding? The Bill doesn't target these through the so-called reforms.

Let it be known that the Model Code of Conduct prohibits only a certain category of public expenditure with a view to denying the ruling party an unfair advantage by spending public resources. One wonders why ruling parties should wait till before the elections for taking major policy decisions and dub them as "disruptors of governance".

Further, elections in any state concern the voters and political leaders of that state, neither affecting the voters of other states nor the Central

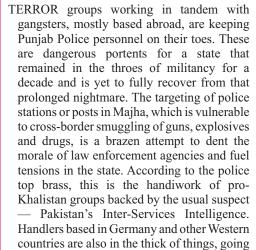
Government unless the party leadership is obsessed with campaigning everywhere, not letting the local leadership manage state-level campaigns. Would simultaneous elections further diminish the focus on elected local bodies and turn them into nondescript representatives of their central leadership rather than effective representatives of local voters?

The efficient conduct of elections is definitely a source of satisfaction, but a democracy needs much more. As parliamentarians spend their precious time making the conduct of elections more efficient in the distant future, they would do well to devote time to the issues affecting the people here and now. The hazardous air quality in the Capital, especially outside Parliament, the depletion of groundwater, the pollution of our rivers, the pathetic conditions of our educational institutions and public health facilities, and the environmental degradation facing the country are more immediate and pressing issues of governance and deserve their attention as much as the matter of simultaneous polls.

The citizens of India may not be exhausted by exercising their voting right frequently, but they might be exhausted waiting for their aspirations of a decent living to be fulfilled.

### Terror alert in Punjab

#### Police force can't afford to let its guard down



by the recent arrest of three members of the Khalistan Zindabad Force terror module and the busting of an inter-

state gun racket. Two decades after rooting out militancy

state gun racket. Two decades after rooting out militancy from the state, the Punjab Police had been jolted out of complacency in July 2015 when terrorists from Pakistan

stormed Dinanagar police station in Gurdaspur district. Barely five months later, the Pathankot airbase was attacked. The two incidents taught the police a harsh lesson — there is no room for laxity when anti-India elements are hell-bent on creating trouble. The latest surge in terror activities is another wake-up call – it should spur the state's cops to be more vigilant and work in closer coordination with Central organisations such as the Border Security Force and the National Investigation Agency.

The recent attempt on the life of former Deputy CM Sukhbir Singh Badal outside the Golden Temple is a stark reminder that violent extremism is not yet dead and buried in Punjab. The embers of radicalism are still glowing, with efforts afoot to resurrect the bogie of Khalistan. The onus is on

the police to enforce the rule of law and reassure the people about their safety and security.

# **Buddha Nullah a toxic story of industrialisation**

#### For restoring Buddha Nullah, strict regulations to enforce industrial compliance with environmental standards, robust monitoring of industrial discharge and heavy penalties for non-compliance are crucial.

Buddha nullah, once a pristine tributary of the Sutlej river, has endured a slow and painful decline for over 50 years. Flowing through Ludhiana, Punjab's industrial heartland, it is now an infamous toxic drain. It carries untreated industrial waste, urban sewage and agricultural runoff. The drain symbolises the environmental costs of industrialisation and urban expansion, coupled with human negligence.

and the draft itself was discussed.

Yet, despite the grim reality, a glimmer of hope persists. Restoration efforts, though challenging, offer the promise of renewal and resilience, provided they are supported by bureaucratic efficiency, political will and community participation. In its prime, Buddha Nullah was a lifeline for the region. Its clear waters nourished aquatic ecosystems, supported agriculture and contributed to the livelihoods of local farmers and businesses. However, it began declining as Ludhiana saw rapid industrialisation. Factories proliferated along the waterway, discharging untreated effluents. Domestic sewage, agricultural runoff and unchecked growth of dairies along its banks compounded the pollution. The effluents overwhelmed the nullah's natural ability to purify itself. Over time, it could no longer support the communities that once thrived along

Buddha Nullah's deterioration to a toxic drain has impacted the quality of life of the locals. Children contend with harmful fumes, exacerbating respiratory issues. Adults face chronic illnesses like skin diseases and gastrointestinal disorders directly linked to the polluted water. Fishing communities have abandoned their trade as aquatic life has vanished. The toxic water has not only deprived these communities of their livelihoods but also poses a broader public health crisis.

Statistics paint a troubling picture. The health authorities have reported that respiratory diseases are 40 per cent more prevalent in areas near the nullah as compared to the unaffected regions. A 2022 study by Punjab

Agricultural University revealed alarmingly high levels of heavy metals like lead and chromium in the water, far exceeding the safe limits. These pollutants have seeped into the groundwater, further compromising public health. The polluted waters also contaminate the Sutlej river and Harike reservoir downstream. Being the vital sources of water for both Punjab and Rajasthan, the issue has strained inter-state water relations. Efforts to

restore the nullah have been sporadic and riddled with challenges. Early attempts in the 1980s focused on awareness and monitoring industrial waste, but they lacked enforcement mechanisms. In the 1990s, industries were mandated to install effluent treatment plants (ETPs), but compliance was inconsistent, with many ETPs remaining dysfunctional. Bioremediation was also attempted, but success remained elusive.

Recent initiatives, such as the Buddha Nullah Rejuvenation Project and installation of sewage treatment plants (STPs) during 2018-2022, have been undermined by funding delays, poor enforcement and resistance to the removal of encroachments. The lack of coordination between government bodies and civil society organisations has further hindered progress, leaving the pollution and its impacts largely uncontained. The

judicial interventions sought y environmentalists have been limited to ad hoc measures for a persistent problem. Deeper thought and innovative solutions for a durable impact are needed. Achieving meaningful progress requires a combination of policy reforms, technological innovation and active community engagement. The following strategies can help improve the situation. Stricter regulations are essential to enforce industrial compliance with environmental standards. Robust monitoring of industrial discharge and heavy penalties for non-compliance are crucial. A dedicated task force should oversee the implementation of these

regulations, holding the polluting industries

Relocating the most harmful industries to designated zones, supported by incentives, could mitigate environmental risks. Such incentives should be comparable with those offered to the new industries and those which move to safer places may also be allowed to



make commercial capital out of their present premises. Comprehensive policy reforms must prioritise the tributary's health with clear goals and timelines while ensuring that livelihoods are protected.

Expanding and updating treatment infrastructure is critical. Increasing the number of STPs and common effluent treatment plants (CETPs) will reduce the influx of untreated waste into the nullah. Real-time monitoring can ensure industrial effluents are treated before discharge. Geographic Information Systems (GIS) mapping can identify pollution hotspots, allowing targeted interventions. Community

engagement is also vital for successful restoration efforts. Educating residents about waste segregation and proper disposal methods can reduce domestic garbage dumping into the nullah. Cleanliness campaigns involving local participation can remove pollutants and foster a collective sense of responsibility. Grassroots initiatives can transform public attitudes and promote environmentally responsible behaviour. It will

be in the interest of the industry to actively associate itself in such endeavours. A clean environment in Ludhiana may attract more industrial consumers.International examples offer valuale lessons. The Thames river in the UK, once known as "The Great Stink", was revitalised through sustained political will, heavy investment and implementation of strict environmental laws. The Rhine in Europe underwent a transformation due to coordinated global efforts. Similarly, the Ganga Action Plan has demonstrated the effectiveness of community involvement and publicprivate partnership. These examples demonstrate that with a committed, multifaceted approach, Buddha Nullah

can also be restored.Restoring it is not merely an environmental endeavour; it is a chance to create a legacy of resilience and collective action. A revitalised tributary can once again sustain vibrant aquatic ecosystems and provide clean water for the local communities.

The future of Buddha Nullah, thus, lies in the hands of the government, industries and local communities. Together, they can restore it to its former glory. Even the most polluted waterways can be revived with determination and collaboration. Punjab and Punjabis can do it for sure.

### Stock market today: BSE Sensex tanks over 150 points; Nifty50 near 23,900

NEW DELHI. Stock market today: BSE Sensex and Nifty50, the Indian equity benchmark indices, plunged in trade for the fifth consecutive day on Friday. While BSE Sensex was just above 79,000, Nifty50 was near 23,900. At 9:19 AM, BSE Sensex was trading at 79,049.92, down 168 points or 0.21%. Nifty50 was at 23,907.15, down 45 points or 0.19%.

On Thursday, Indian markets experienced a broadbased decline, following global market turbulence triggered by the US Federal Reserve's hawkish position on interest rates. Ajit Mishra - SVP, Research, Religare Broking said: "Despite the weakness, oversold conditions and resilience in select pockets present buying opportunities. Traders are advised to align their positions carefully, with an emphasis on prudent stock selection." Markets remain under pressure following Fed's strict commentary. Support exists at 23,850, with resistance at 24,200, according to Rupak De of LKP Securities. US markets remained stable on Thursday after the Federal Reserve projected fewer rate cuts. Asian equities remained constrained in early Friday trading, as the US Federal Reserve's strict stance continued to affect American equities and bonds whilst strengthening the dollar.Gold prices were heading towards a weekly decline on Friday following the Federal Reserve's decision on monetary policy adjustments indicated slower rate reductions, whilst attention turned to the U.S. Personal Consumption Expenditure data scheduled later. Foreign portfolio investors became net sellers at Rs 4,224 crore on Thursday. Domestic institutional investors disposed of shares worth Rs 3943 crore.FIIs' net short position increased from Rs 1.01 lakh crore on Wednesday to Rs 1.25 lakh crore

#### Markets decline in early trade amid unabated foreign fund outflows

NEW DELHI. Equity benchmark indices Sensex and Nifty declined in early trade on Friday amid unabated foreign fund outflows and concerns over the US Federal Reserve signalling fewer rate cuts next year. The 30-share BSE benchmark Sensex declined 214.08 points to 79,003.97 in early trade. The NSE Nifty also dipped 63.8 points to 23,887.90.From the 30 blue-chip stocks, Axis Bank, Tech Mahindra, IndusInd Bank, JSW Steel, ITC, Larsen & Toubro, UltraTech Cement and HDFC Bank were the biggest laggards. In Asian markets, Seoul quoted lower while Tokyo, Shanghai and Hong Kong were trading in the positive territory.

Wall Street ended on a mixed note on Thursday.

Foreign Institutional Investors (FIIs) offloaded equities worth Rs 4,224.92 crore on Thursday, according to exchange data."The FII buying witnessed in early December is getting reversed now with this week's selling reaching Rs 12,229 crore. This change in FII strategy is getting reflected in market trends, too, with largecaps, particularly financials, coming under pressure due to FII selling. The negative response to the Fed's commentary yesterday will be temporary. Recovery led by largecaps is possible in the near-term," V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said.Falling for the fourth day running, the 30-share BSE benchmark tanked 964.15 points or 1.20 per cent to settle at 79,218.05 on Thursday. The Nifty tumbled 247.15 points or 1.02 per cent to sink below the 24,000 mark at 23,951.70.

#### \$11.3 billion: Startup funding sees marginal rise in 2024

MUMBAI. After two years of funding slump, investments into India's startups are seeing some revival. Investors infused about \$11.3 billion into startups this year, a slight improvement from funding worth \$10.7 billion recorded last year, data sourced from market research firm Tracxn showed. In the coming year, companies are expected to see a sizeable amount of funding cheques but the deployment of capital will be cautious, keeping in line with the trend seen for quite sometime now and late-stage deals (over \$100 million) will take time to close, venture capital (VC) firms said.

Not to say that there's a lack of capital-VC firms raised an estimated \$2.5 billion in funding in 2024 alone compared to less than \$2 billion in 2023 and some of them plan to raise new funds in 2025; but investors want to ensure they make the right bets. "As investors, we are very clear that we need to see a company's path to profitability, we need to see good governance structures, assess firms' go-to market strategies deeply and figure out founders' ability to deliver. When you diligence all of these, it takes some time and investing capital takes longer," Padmaja Ruparel, co-founder at IAN (Indian Angel Network) Group told TOI.

Quick commerce player Zepto led startup funding this year having bagged \$1.4 billion in investments alone amid a surge in investor appetite for rapid deliveries.

A clutch of companies including PhysicsWallah, Rebel Foods, Eruditus and Purplle also managed to raise funding worth more than \$100 million from investors. There were also few big secondary transactions like Lenskart's \$200 million round. In a secondary deal, shares change hands among a company's investors and no money is added to the firm's coffers. Funding was rather uneven across quarters, probably hinting at a measured pace of deal closures. Funding in the December quarter (so far), for instance, slipped to a three year low of \$1.8 billion after touching \$3.5 billion in the September quarter. "Funding patterns have evolved towards fewer, larger

rounds," said Neha Singh, co-founder at Tracxn. Yet, the sheer size of the Indian market and the shift in consumption patterns towards better quality and more premium products creates growth opportunities for companies, making it an equally attractive bet for investors, industry experts said."There is no lack of belief in the fundamental opportunity that exists in India. Growth opportunities will always be exciting and India is a growth market," said Sandeep Murthy, managing director at Lightbox India Advisors which plans to raise a new fund in the range of \$200 million

# Low affordability hits car demand: Kia India MD

NEW DELHI. With car prices going up between 35-50% over the past 3-4 years, owing to safety and emissions mandates, affording a vehicle has become difficult for mass consumers and sales are likely to see a moderate growth of 3-4% in the coming year, Kia India MD Gwanggu Lee said on Thursday. To generate demand, Lee suggests, govt can look at reducing taxes on cars from the current levels where mid-sized cars and bigger ones have a GST rate of over 45%, while smaller ones (under 4-meters) are taxed at over 28%.

As the company prepares to launch affordable EVs as well as other mainstream cars, Lee said that the increase in car prices came at a time when incomes for many middle-class users did not go up at the same pace.

As part of its strategy to perk up demand in the volume-laden entry SUV market, Kia drove in the all-new Syros mini offroader,



which will stand besides its Sonet model, also an under 4-meter car.ee said that the boxy Syros, which will come with a 1litre petrol engine and a 1.5-litre diesel, will also be offered with an electric version over the next one year. The company has developed the new vehicle after taking into account the customer

preferences here, something it also did during the development of the Seltos and Sonet SUVs and the Carens MPV.But while the company expects to generate healthy volumes from the new model, whose price will be revealed at a later date, the Syros also comes in a segment that is crowded. Formidable models

include Maruti Brezza, Tata Punch, Hyundai Venue, and Mahindra 3XO.

'Kia India has always been driven by a challenger spirit... With the Syros, we are further enhancing our product portfolio, and are confident of taking on the competition," Lee told TOI.

Kia India expects to sell nearly 2.6 lakh units this year, and Lee said the company is looking at 3-lakh unit sales next year. Despite the slowdown pangs, the Kia MD said that India still remains "one of the most promising markets" for the company globally. "The country is still amongst the fastest-growing economies of the world, promising a lot for carmakers.'

Lee also said that the govt should not tamper with the duty benefits given to electrics, which currently are taxed at 5%. A lower duty makes them affordable, or else the prices may be higher. "Without any tax incentive from govt, it will be very

# Govt proposes new legislation to curb proliferation of illegal lending apps

If a regulated entity fails to provide information sought by the authority, they would be fined by up to Rs 5 lakh.

**NEW DELHI.** The government is planning a comprehensive legislature to curb the proliferation of illegal lending apps. The department of financial services, Ministry of Finance, has prepared a draft bill, which proposes severe punishment with jail term of up to 10 years and monetary fines of up to '1 crore for those found involved in promoting unregulated lending activities. The Bill seeks to ban all illegal lending activities whether carried out by digital means or otherwise. It has also proposed to designate an authority which would maintain a database of all authorised lenders operating in the country. The database will have a facility for the public to search any authorized lender



in the country. If a regulated entity fails to provide information sought by the authority, they would be fined by up to Rs 5 lakh.

Every regulated lender will have to inform the authority about the activities being undertaken by them. This information has to be shared by the authority with law enforcement authorities like the Central Bureau of Investigation (CBI) and state police.

The bill provides for not only severe punitive measures against those found involved in illegal lending, but also

raids without warrant against the alleged culprit.Mayank Arora, director-regulatory, Nangia Andersen India, says the intent of the proposed legislation is strong, as it provides for criminalisation of offences and punishments for persons involved as accomplice, apart from persons directly involved. Two years ago, the RBI notified the Digital Lending Guidelines to curb unfair practices by regulated entities.

One of the main issues in the digital lending domain is that the consumers are not aware of the real lenders as there is no physical interaction in the lending transaction. Unregulated entities used this to camouflage as authorised lenders, affecting the entire e c o s y s t e m , " a d d e d Arora. Mushrooming illegal loan apps have become a menace in the country. These loan apps typically offer small loans at exorbitant high interest rates, and use extortionist ways to recover money from borrowers, forcing many borrowers to even take their own lives. Many of these apps operate from overseas countries with the help of little-known local finance

#### Bharti Airtel prepays Rs 3,626 crore spectrum purchase dues to government

NEW DELHI. Telecom service provider Bharti Airtel has made a pre-payment of Rs 3,626 crore to the government for the spectrum it purchased in 2016. This payment is part of Airtel's efforts to clear its spectrum dues with high interest costs. With this payment, Airtel has now prepaid all its spectrum liabilities with interest costs higher than 8.65%. This year, the company has prepaid a total of Rs 28,320 crore of spectrum liabilities.

Prepaid Rs 3,626 crore to the Department of Telecom (Government of India), clearing all its liabilities for spectrum it had acquired in 2016," said the telco in an exchange filing.

Airtel, India's second-largest telecom service provider, said this is the second prepayment the company has made in the current financial year. In June 2024, the company prepaid all its deferred liabilities for spectrum acquired in the 2012 and



# IT sector to drive 15% growth in hiring in 2025, followed by retail

and multi-cloud adoption, the IT sector will drive 15% growth in hiring in 2025, as per the latest data from jobs platform foundit. It is followed by retail with 12% growth, telecommunications 11% and Banking and Financial Services (BFSI) with 10% growth.

foundit said the telecom sector's 11% forecasted growth is driven by advancements in AI, 5G, and IoT, with demand for skills in edge computing, SDN (software-defined networking), NFV (network function virtualisation) and cybersecurity. Overall, the talent platform predicts a

BENGALURU. With the expansion of Global Capability Centers (GCCs)

9% hiring growth in the country in Bhimrajka, Vice manufacturing, healthcare, and President - Marketing, foundit, said, "As we enter 2025, India's job market looks set to broaden its horizons, with a projected 9% growth in hiring. Companies are not only looking for seasoned professionals but also broadening their search beyond established hubs.""We believe this approach will create a healthier, more diverse environment, allowing businesses to access new talent pools and build a workforce aligned with future needs," she added. The report says technology advancements will drive demand for specialised talent, creating opportunities across

manufacturing, healthcare, and telecom will adopt edge computing to power real-time IoT applications. Engineers and analysts skilled in managing connected devices and infrastructure will play a critical role. It also points out that with retail media expected to grow into a \$100 billion market, companies will hire digital marketers, programmatic ad managers, and strategists to tap into advertising opportunities on ecommerce platforms.Bengaluru to lead city-wise growth with a 10% job growth, followed by Coimbatore at 9%. The report added that the job market showed.

2015 auctions, amounting to Rs 7,904 crore. Airtel acquired spectrum worth '8.67 crore in 2012 and Rs 29,129 crore in the 2015 auction.

Earlier this year, in January 2024, the company prepaid Rs 8,325 crore to the telecom department to clear part of its deferred liabilities for the spectrum it acquired in the 2015 auction.

Airtel has consistently worked on prepaying its spectrum-related dues over the past few years. In July 2023, the company prepaid Rs 8,024 crore to the DoT, and in March 2022, it cleared '8,815 crore for airwaves bought in the 2015 auction. This was followed by a significant prepayment of Rs 15,519 crore in December 2021, which cleared all dues related to spectrum purchases in 2014.

# Zerodha launches Margin Trading Facility: What it is and how it works

Zerodha's Nithin Kamath introduces Margin Trading Facility, enabling investors to leverage funds for stock delivery.

NEW DELHI Zerodha CEO Nithin Kamath has announced the launch of the Margin Trading Facility (MTF), a feature that allows users to borrow funds to buy stocks for delivery. Despite initial reservations about market timing and potential risks for customers, Kamath emphasised the growing demand and the business need to offer MTF.Sharing the news on X, Nithin Kamath said, "I don't know if it is a good time with the fall in the markets, but we are finally launching MTF, which allows you to buy stocks for delivery by borrowing money from us."He added, "I haven't been sure about this product for a long time because of obvious reasons. Customers who trade for delivery tend to ignore the impact of the cost of borrowing, and there's always the risk of the trade going against them, which



leads to a bigger loss."Talking about the growth of MTF in the last few years, he said, "But in the last 3 to 4 years, MTF has grown tremendously, with pretty much everyone offering it. Considering the number of customers asking us for the feature, it didn't make business sense for us to not offer it.'

they don't have the full amount upfront.

WHAT IS MTF? The Margin Trading Facility (MTF) enables investors to trade with leverage, allowing

Investors can borrow up to 80% of the stock's value, depending on the stock. In simpler words, through MTF, investors

pay only a portion of the total stock value, with the broker funding the remainder as a loan. Interest is charged on the borrowed amount, making MTF a strategic yet costsensitive trading option.

**HOW DOES MTF WORK?** 

MTF allows investors to purchase stocks for delivery with leverage, enabling them to them to buy stocks for delivery even if trade even if they don't have the full

amount. Up to 80% of the stock value can be borrowed, subject to an interest rate of 0.04% per day (Rs. 40 per lakh).

For example, if you want to buy shares worth Rs. 400 but have only Rs. 100, you can use MTF. Providing 25% of the total value as your initial investment, the broker funds the remaining Rs. 300, allowing you to purchase shares worth Rs. 400. The stocks must be pledged with the broker as per Sebi guidelines.

#### WEIGHING THE REWARDS AND

RISKS MTF can amplify your returns. If a stock you buy for Rs. 400 rises to Rs. 450, your profit of Rs. 50 translates to a 50% return on your Rs. 100 investment. However, if the price drops to Rs. 350, you lose Rs. 50, eroding 50% of your investment. While MTF offers the potential for higher gains, it also comes with increased risks due to

 $leveraged\ trading\ and\ borrowing\ costs.$ The Margin Trading Facility can be a powerful tool for maximising limited funds, but it demands responsible usage. Stay informed, diversify your investments, monitor balances, and have a clear exit strategy to navigate risks effectively and unlock the full potential of this feature.

## Saturday, 21 December 2024

# Opposition boycotts Speaker's tea meet as tumultuous Parliament session ends

► Amid an uproar over the Ambedkar issue, both Houses adopted a motion to send One Nation One Election bills to a joint parliamentary committee for

further scrutiny.

New Delhi. The tumultuous winter session of Parliament saw no exception on the last day as an uproar by the opposition over the alleged insult to Dalit icon BR Ambedkar by Home Minister Amit Shah saw both the Houses being adjourned. As a mark of protest, the INDIA bloc skipped the Lok Sabha Speaker's customary tea party. Opposition leaders said there was no point in joining such a tea party when FIRs were being filed against their MPs, and they were not getting a chance to speak in the

ONE NATION ONE ELECTION BILLS SENT TO JOINT PANEL

Amid the din, both Houses adopted a motion to send the two bills to enable One Nation One Election to a 39-member joint parliamentary committee for further scrutiny.

n the Lok Sabha, the opposition shouted 'Jai Bhim' slogans as the Speaker read out directions barring demonstrations and protests at the gates of Parliament following the scuffle between BJP and INDIA bloc MPs on Thursday. As the protests continued, the



Speaker adjourned the House sine die.

The Rajya Sabha also witnessed similar protests from the opposition, even as chairman Jagdeep Dhankhar said that such "persistent disruptions" were steadily eroding public trust in democratic institutions.

Dhankhar said the winter session's productivity was just 40.03%, with the Upper House functioning for just 43 hours and 27 minutes.

"As Parliamentarians we are drawing severe criticism from the people of India and rightfully so... It is time to choose between meaningful debate and destructive disruptions," he said before adjourning the House.

BJP, OPPOSITION HOLD PROTESTS

Before the session began, opposition MPs, including Congress's Priyanka Gandhi, held a protest march to Parliament from Vijay Chowk demanding Amit Shah's apology and resignation for allegedly "insulting" BR Ambedkar.

The BJP also held a counter-protest and party MP Aparajita Sarangi gifted Priyanka Gandhi a bag with '1984' written on it, referencing the year of the anti-Sikh

riots. The Opposition and the BJP have been at loggerheads this week over Shah's remarks on Ambedkar in the Rajya Sabha during a debate on the Constitution. Matters came to a head on Thursday as MPs from both sides came face to face in the Parliament complex, resulting in injuries to two BJP MPs.

The BJP alleged that its MP Pratap Sarangi was pushed by Congress's Rahul Gandhi. An FIR has been registered against Rahul Gandhi after the BJP filed a complaint accusing him of "physical assault and incitement".

### **Delhi diversity:** Signages to have info in four languages

Additionally, bureaucrats working with the Delhi government will also be required to display their names in the four languages on boards outside their offices.



NEW DELHI. To promote linguistic inclusivity, the city will soon feature Hindi, English, Punjabi, and Urdu on road signages, directional boards, and the names of the public places, in compliance with a recent directive from the Department of Arts, Culture and Language.

This order applies to metro stations, hospitals, public parks, and roads managed by the PWD. The department oversees 1,250 km of roads in the city, and updates to signages will begin immediately.

Additionally, bureaucrats working with the Delhi government will also be required to display their names in the four languages on boards outside

In a written communication, the department directed all departments, civic bodies and autonomous authorities to ensure compliance with the Act, following instructions from L-G VK Saxena. The communication specifies that the sequence of languages on boards and signages should be Hindi, English, Punjabi and Urdu, with uniform font sizes for all. Currently, most signboards and nameplates display information in Hindi and English. According to the department, the initiative aligns with The Delhi Official Languages Act, 2000, which designates Hindi as the primary official language and Punjabi and Urdu as secondary official languages.

According to the department, the initiative aligns with The Delhi Official Languages Act, 2000, which designates Hindi as the primary official language and Punjabi and Urdu as secondary official languages. As per the 2023 Delhi Statistical Handbook, Punjabi is spoken by 8.73 lakh people and Urdu by 8.67 lakh.

#### Order issued

Dept of Arts has directed all authorities concerned to ensure that the sequence of languages on signages should be Hindi, English, Punjabi and Urdu, with

# Dalits, students' outfits stage demonstrations after Shah's speech on Ambedkar

The protests erupted following Shah's controversial remarks in Parliament.



working on issues related to social justice and students' outfits held

Minister Amit Shah of insulting B R Ambedkar. Some Dalit organisations

SFI state committee member Sohan

demand a public apology.

immediately."

said, "Shahs's remarks shows his deeply rooted hatred towards

said bigger protests were being

The protests erupted following Shah's

controversial remarks in Parliament.

The NSUI president, Varun Choudhary, said, "Amit Shah has not only insulted Dr Babasaheb Ambedkar

but also disrespected our nation. We

demand a public apology from him. If

he fails to do so, he must resign

Echoing this sentiment, the AISA

organised a protest at Ambedkar University Delhi (AUD), where

students burned effigies of Shah. A

senior AISA leader said, "Amit Shah's statement is not a casual remark; it is a

deliberate insult to Ambedkar's legacy

of equality and social justice. We

planned across the country.

# AAP steps up heat over Shah's remarks against Ambedkar

▶Two Indian Coast Guard patrol vessels arrived in the Maldives for a four-day visit focused on enhancing maritime collaboration, environmental protection, and regional security aligning with India's SAGAR framework.

Thursday demanded an apology and resignation from Union Home Minister Amit Shah over his remarks on B R Ambedkar in Parliament.

With Delhi Assembly elections approaching, party sources revealed that AAP is positioning this issue to consolidate its Dalit voter base and retain dominance in the 12 reserved seats of the national capital.Dalit voters constitute nearly 17-18% of Delhi's electorate and play a decisive role in about 30 constituencies. While AAP traditionally dominates Dalit support in Assembly polls, the BJP has garnered significant backing from the community during Lok Sabha

The reserved constituencies include Bawana, However, in the 2014, 2019, and 2024 Lok Sultan Pur Majra, Mangolpuri, Karol Bagh, Patel Nagar, Madipur, Deoli, Ambedkar

Nagar, Trilokpuri, Kondli, Seemapuri, and Gokalpuri. Additionally, constituencies like Bijwasan, Narela, Nangloi, and Shahdara also see strong Dalit voter influence. AAP swept all 12 reserved seats in the 2015 and 2020 Assembly elections.

Sabha elections, the BJP outperformed AAP and Congress in these segments. Despite the

elections, BJP secured victory in 8 of the 12 reserved constituencies. Facing antiincumbency, AAP has reportedly changed candidates on several seats to address voter dissatisfaction. AAP sources suggest that the party will

intensify its focus on Dalit constituencies and leverage Shah's remarks as a key campaign issue. "AAP is making Shah's statement a central issue to regain Dalit voter trust. It aims to highlight the BJP's alleged disrespect toward Babasaheb Ambedkar," said a senior party source. Addressing the controversy, AAP chief Arvind Kejriwal criticised the BJP and accused it of betraying Ambedkar's legacy. Speaking after offering prayers at Valmiki Mandir, he said, "Those who revere Babasaheb must reject the BJP.

# After Priyanka Gandhi, BJP MP makes a statement with '1984' bag

BJP MP Aparajita Sarangi gifted Congress MP Priyanka Gandhi a bag referencing the 1984 anti-Sikh riots after her earlier statement in Parliament with bags featuring Palestinian motifs, sparking political controversy.

New Delhi. Days after Congress MP Priyanka Gandhi made a political statement in Parliament by carrying bags featuring motifs of Palestine and Bangladesh, BJP MP Aparajita Sarangi on Friday gifted Gandhi a bag with '1984', written on it, referencing the year of the anti-Sikh riots. Following the assassination of Prime Minister Indira Gandhi by her Sikh bodyguards, widespread riots broke out against Sikhs in 1984, during which over 2730 people from the community were killed, according to Union Home Ministry data. The Nanavati Commission, appointed to investigate the riots, concluded that Congress leaders including top figures Jagdish Tytler, Sajjan Kumar HKL Bhagat, were responsible for the riots. On December 16, Priyanka Gandhi

turned up in Parliament with a bag



emblazoned with "Palestine" on it, along with other Palestinian symbols, including a watermelon, a longrecognised motif of resistance in the region, as well as a pattern of keffiyeh, a Palestinian stole.

Congress leaders called it a "gesture of compassion, commitment to justice and humanity", as Israel's ongoing bombardment killed thousands and displaced many in Palestine.

However, it was slammed by the BJP, accusing the Congress MP of remaining silent over the atrocities

against Hindus in Bangladesh. She did not speak a word on atrocities on Hindus in Bangladesh but wants to make a fashion statement with the Palestine bag," BJP MP and Anurag Thakur said. Other BJP leaders, including Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adiyanath also criticised her. The next day, on December 17, she arrived in Parliament carrying a bag that read, "We stand with the Hindus and Christians of Bangladesh".

Just a week ago, the Congress MP was also seen carrying a bag with a picture of Prime Minister Narendra Modi and billionaire industrialist Gautam Adani on one side and the slogan "Modi Adani Bhai Bhai" printed on the other.



#### two bills that lay down the mechanism to hold simultaneous elections to a joint parliamentary committee that consisted of 39 MPs from both Lok Sabha and Rajya Sabha. The Constitution (129th Amendment) bill and the Union Territories Amendment bill were introduced in the Lok

**One Nation One Election** 

bill referred to joint

parliamentary panel

New Delhi. Lok Sabha Speaker Om Birla on Friday sent

Sabha after a fiery debate on December 17, with the Opposition terming the move "dictatorial" and Law Minister Arjun Ram Meghwal asserting that the legislation would not tamper with the powers enjoyed by states. According to a statement by the Lok Sabha Secretariat, the joint parliamentary committee, consisting of 27 Lok Sabha and 12 Rajya Sabha MPs, will scrutinise the bill and send its recommendation to the Lok Sabha Speaker.

The bills have been vehemently opposed by the Opposition MPs, who called the idea of simultaneous polls, terming it a violation of the "basic structure of the Constitution". Congress member Manish Tewari opposed the introduction of the bills, and termed the move an assault on the basic structure doctrine that stipulates certain features of the Constitution are beyond the amending power of Parliament.

'One of the essential features is federalism and the structure of our democracy. The bills assault the basic structure of the Constitution and exceed the legislative competence of this House," Tewari, a former Union minister, said. Samajwadi Party member Dharmendra Yadav said the measure to introduce "one nation, one election" by the BJP was an attempt to bring dictatorship

Meanwhile, All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) leader and Lok Sabha MP Asaduddin Owaisi said that the bill will "finish off" the regional parties.

'This Bill is aimed at maximising political gain and convenience. This Bill will finish off regional parties,"

### Total ban on crackers in Delhi, top court told



NEW DELHI. The Delhi government, on Thursday, apprised the Supreme Court that it has imposed a complete ban on manufacturing, storing, selling, and bursting all kinds of firecrackers in the national capital throughout the year with immediate effect.

By December 19, 2024 order, it (Delhi government) has decided to completely ban firecrackers," the Delhi government told the two-judge bench of the apex court, led by Justice Abhay S Oka and Justice Augustine George Masih.

However, the Haryana government told the apex court that it has kept green crackers out of the ban. Rajasthan government, which is also affected by the air pollution, said it, too, has banned firecrackers completely in areas falling in the National Capital Region (NCR), while the Uttar Pradesh government said they have decided against banning the firecrackers completely.

After hearing these, the bench said that ban will only become effective only when all states forming part of NCR take the same decision on ban of firecrackers.

For the time being, we direct Uttar Pradesh and Haryana to impose similar ban which is imposed by Delhi," the top court ordered. The Court was hearing the petition filed by noted environmentalist, M C Mehta, seeking appropriate directions and or orders relating to air pollution in national capital and NCR.

The Court, on December 12, ordered Delhi government and other NCR states (Haryana, UP, and Rajasthan) to take a final call on prohibiting the use of firecrackers throughout the year.

### Man suspected of killing three people fatally shot by police near Chicago

**BERWYN.**A man suspected in the fatal shootings of three people in central Illinois was shot and killed by police after opening fire on them in suburban Chicago, authorities said Thursday.Officers in Berwyn responded to a report of a man with a gun around 11:30 p.m. Wednesday. The man ran away and forced his way into a home where he fatally shot two dogs, police said. He then ran into a nearby yard where he refused police commands to stop. The man then shot at Berwyn officers and they returned fire, killing him. The man later was identified as John Lyons, 24, of Westchester, west of Chicago.

Police said he was suspected in the fatal shootings of three people at a home in Mahomet, about 120 miles (190 kilometers) southwest of Chicago. One of the victims, identified Thursday by Champaign County Coroner Laurie Brauer as Sara E. Mason, 26, died at the scene where the three were found about 9:40 p.m. Wednesday. The other two, Janis Mason, 61, and Caleb Mason, 23, were both pronounced dead at a nearby hospital, WCIO-TV reported. A vigil was held for the victims at a local church Thursday evening.

#### **UK Teen Drowns in Reservoir** As Friends Mistook Waving For Joke

World A teenager in the UK who did not know how to swim, drowned in a reservoir as his friends thought he was "joking" when he started waving for help, according to a report in The Telegraph. 16-year-old Tyrese Johnson was out with his friends on the last day of the school at Lodge Farm Reservoir, in Netherton, Dudley, in July, earlier this year when the incident took place. A friend said during the inquest hearing that he saw Mr Johnson waving but initially believed it to be a joke with others having a laugh as well. The situation, however, soon turned grim as Mr Johnson disappeared beneath the surface.

As per the group of friends, they had been in the water for under three minutes when Mr Johnson started facing difficulty. The water had been shallow but then the ground below suddenly dropped off "like a cliff edge" into deep water, which led to Mr Johnson's drowning, the friends said at the Black Country coroners court.

The friends desperately tried to pull him out but could not with one brave paddler diving under the surface for 40 minutes. Mr Johsnon's body was only recovered the following day around 11:30 am.

I could see six or seven lads on the edge of the water – three were in the water and it looked like they were having a laugh like lads do," James Birks, the paddler, told the court. "Then the tone changed and I realised someone was struggling," added Mr Birks.Mr Birks said he heard people shouting "he's drowning" and paddled over. he dived into the water to the point where Mr Johnson should have been, but the water was muddy."I wish I could have done more to help," Mr Birks added. Tribute from family

In a tribute released by the family, Mr Johnson's parents said their son had been afraid of water and "never wanted to go to swimming lessons or go into the pool when on family holidays"

#### Early Signs Suggest Trump 2.0 Will Be Bringing The Chaos Back

Washington. Donald Trump still has a month until he becomes US president but he has already displayed his unique capacity to sow confusion and steal headlines with remarks belittling Canada. intimidating the media and torpedoing a budget deal

"We're going to see more chaos in Trump's second term than his first," said Todd Belt, political science professor at George Washington University. "I think what has happened this week is a good indication of what is to come."He added that a Supreme Court ruling that grants presidents sweeping immunity for official acts will give Trump "more of an opportunity to act on his worst impulses.

The Republican has stolen the limelight from outgoing President Joe Biden, who has largely



disappeared from public view in his final weeks in office. On Monday, Trump gave his first news conference since winning the November 5 election, talking to journalists for more than an hour about various topics -- and savoring the attention. "Everyone wants to be my friend," he said when commenting on the visits of various billionaire tech CEOs and other leaders to his Florida residence, which he will leave on January 20 for the White House. He told reporters that he wanted to "straighten out" the press -- something his team has pursued through lawsuits that observers and rights groups worry are signs of escalating censorship tactics. While commenting on a wide gamut of issues, Trump has also shown that he has not changed in his predilection towards delivering vague, sometimes contradictory, messages. Take vaccines, for example. The Republican said that he is a "big believer" in the polio vaccine, but also sowed doubt over a widely debunked link between vaccination and autism. "There's something wrong. And we're going to try finding that," Trump said, noting a rise in autism cases in the United States that experts say is due to changes to diagnostic criteria, increased awareness and better screening.

# 'Decision to invade Ukraine should have been made earlier': Putin at annual news conference

MOSCOW. President Vladimir Putin boasted that his military operation in Ukraine has strengthened Russia and denied that the ouster of key ally Bashar Assad in Syria had hurt Moscow's prestige, as he took questions at his annual news conference and call-in show Thursday.

He used the tightly choreographed event, which lasted about 4 and a half hours, to reinforce his authority and demonstrate a sweeping command of everything from consumer prices to military hardware.

Sending troops into Ukraine in 2022 has boosted Russia's military and economic power, Putin said, adding that if he could do it over, "such a decision should have been made earlier" and Russia could have "prepared for it in advance and more thoroughly.""Russia has become much stronger over the past two or three years because it has become a truly sovereign country," he said. "We are standing firm in terms of economy, we are strengthening our defense potential and our military capability now is the strongest in the world."Putin, who has held power for

nearly a quarter-century and began another six-year term earlier this year, said the military was "advancing toward achieving our goals" in what he calls the special military operation in Ukraine.In response to a question about a new hypersonic ballistic missile that Russia used for the first time last month to strike Ukraine, Putin scoffed at claims by some Western experts that it could be intercepted by NATO's air defences. He mockingly challenged Ukraine's allies to a "high-tech duel," suggesting that Moscow could give advance notice of a strike on Kyiv with the Oreshnik missile and see if the West could protect the city."Let them select a target, possibly in Kyiv, put their air defense assets there and we shall strike it with the Oreshnik," he said with a dry smile. "Let's see what happens."

Speaking on a visit to Brussels, Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy responded to Putin's comment by asking, "Do you think it's a sane person?"Putin calls general's killing a security 'blunder' Russia is making steady, if slow,

advances in Ukraine, but has also suffered embarrassing setbacks. On Tuesday, Lt. Gen Igor Kirillov was killed by a bomb planted outside his apartment building in Moscow — a brazen assassination claimed by Ukraine that brought the conflict once

> Putin described Kirillov's killing as a "major blunder" by Russia's security agencies, noting they should learn from it and improve their efficiency. Moscow's troops are also battling Ukrainian forces in the Russian region of Kursk, where they have launched an incursion. Asked when they

again to the streets of the Russian capital.

would drive the Ukrainians out, Putin said "we will certainly kick them out" but wouldn't say how long it would

In a flourish typical of the marathon news conferences, he asked members of the audience to unfurl a banner presented to him by marines fighting in Kursk as he spoke about Ukraine.Open to talks on Ukraine but reiterates Russia's demandsPutin said he was open to possible talks with U.S. President-elect Donald Trump,

who has pledged to negotiate a deal to end the conflict in Ukraine.

"If we meet with Mr. Trump, we will have things to discuss," he said, without elaborating.Putin said Russia also is open for compromise in potential peace talks on Ukraine."Politics is the art of compromise," he said. "We have always said that we are ready for both talks and compromises." At the same time, Putin added that the talks should be based on "the situation on the ground" referring to some of the conditions he previously laid out.

# Russian Prez Putin Once Again Hails India's **Growing Economy Under PM Modi**

Moscow. Russian President Vladimir Putin on Thursday once again acknowledged India's growing economic prowess while highlighting his government's continued efforts to keep the overall economic situation in the country normal and stable despite the long and ongoing conflict with Ukraine. "International financial and economic institutions have placed Russia first in Europe in terms of economic volume, purchasing power parity, and fourth in the world. Ahead are China, the United States, and India. We overtook Germany last year and have overtaken Japan this year. But this is not an indicator that we should fall asleep and calm down on. Of course not," said Putin while answering questions during his annual press conference in Moscow on Thursday. He mentioned that the Russian economy continues to develop despite external threats and attempts to influence it."Everything is developing, everything is actively moving forward. If the Eurozone has fallen asleep, then

development, they are also moving forward. And in the Eurozone and in the States, the situation is also changing. We must maintain the momentum, change the quality of our



economy," Putin asserted. Earlier this month, the Russian President had lauded Prime Minister Modi's 'Indiafirst' policy and the 'Make in India' initiative while expressing Russia's willingness to establish manufacturing operations in India.ddressing the 15th VTB Russia Calling Investment Forum in Moscow, Putin had drawn parallels between Russia's import substitution

similar programme called 'Make in India'. We are also ready to set up our manufacturing operations in India. The Indian government, under the Prime Minister's leadership, has been creating stable conditions, driven by a policy of putting India first. We believe that investing in India is profitable," the Russian President said.In September, during his one-onone meeting with National Security Advisor (NSA) Ajit Doval in Saint Petersburg, Putin had hailed India's India's success in building, developing the economy, which is happening under the leadership of Prime Minister Modi," the Russian President had said during his meeting

initiative.Prime Minister Modi has a

rising global stature and the strength of its growing economy under the leadership of Prime Minister Modi."Our special privileged strategic partnership is gaining momentum, gaining strength, which we are only happy about. We are also happy about strengthening its statehood, and

## Pakistan's Pickup Trucks: A Status Symbol Showing Country's Power Gulf

Karachi, Pakistan.In Pakistan's largest city, cars inch forward in bumper-tobumper traffic. But some seamlessly carve through the jam: SUVs flanked by Toyota Hilux pickup trucks.

The Hilux has become a symbol of power, affluence and intimidation in a society marked by significant class divisions."The vehicle carries an image that suggests anyone escorted by one must be an important figure," 40-yearold politician Usman Perhyar told AFP.

"It has everything -- showiness, added security and enough space for several people to sit in the open cargo bed."

On Karachi's chaotic roads, Hiluxes part the traffic - speeding up behind cars and flashing their lights demanding drivers move out of their way. The Hilux first became popular among feudal elites for its reliability in rural and mountain regions.But in recent years, the "Dala", as it is locally known, has soared in popularity as an escort vehicle among newly successful urban business owners.Guards with faces wrapped in scarves and armed with AK-47s can be packed into the back of the truck, its windows blacked out."It is a status

symbol. People have one or two pickups behind them," said Fahad Nazir, a car dealer based in Karachi.

rebranded as the Revo, with prices ranging from 10 to 15 million rupees (approximately \$36,000 to \$54,000). Their prices have remained steady and they retain excellent resale value in a market traditionally dominated by their manufacturer, Toyota."Amongst whatever luxury items we have, this is the fastest-selling item," car seller Nazir told AFP.Dealers say there was a spike in rentals during February's national elections."I swear to God, you can't run an election without a Revo," said Sajjad Ali Soomro, a provincial parliamentarian from Imran Khan's Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) party.In the eastern city of Gujrat, politician Ali Warraich -- from the ruling Pakistan Muslim League-Nawaz party -- finds it essential to travel with an escort of two of the trucks."It is a status symbol. People have one or two pickups behind them," said Fahad Nazir, a car dealer based in Karachi.

Vehicle for politicsThe Hilux debuted in Vehicle for politics

1968, but the model that became The Hilux debuted in 1968, but the model popular in Pakistan was the mid-2000s
Hilux Vigo.It was later upgraded and mid-2000s Hilux Vigo.It was later upgraded and rebranded as the Revo, with prices ranging from 10 to 15 million rupees (approximately \$36,000 to \$54,000). Their prices have remained steady and they retain excellent resale value in a market traditionally dominated by their manufacturer, Toyota."Amongst whatever luxury items we have, this is the fastest-selling item," car seller Nazir told AFP. Dealers say there was a spike in rentals during February's national elections."I swear to God, you can't run an election without a Revo," said Sajjad Ali Soomro, a provincial parliamentarian from Imran Khan's Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) party. In the eastern city of Gujrat, politician Ali Warraich -- from the ruling Pakistan Muslim League-Nawaz party -- finds it essential to travel with an escort of two of the

#### Eric Garcetti Calls For Lower Tariff, Fair And Equal Trade With India

World US Ambassador to India Eric Garcetti highlighted the potential of the US-India partnership, emphasising the need to lower tariffs and to increase trade and make it more fair and equal. While addressing an event organised on Thursday by the US-India Business Council (USIBC), Garcetti said, "We need, together, to lower tariffs, not to see them go up. We need, together, to increase trade and to make it more fair and equal. We need to, together, make sure that there's training and talent that meets the needs of companies on both sides of the Indo-Pacific."

He further said, "We have to protect our trademarks and our intellectual property, and we have to make sure that transportation and infrastructure exists, for India to reach its goals more quickly, that is in the American interest, and vice versa, in the Indian interest as well.



So let us renew our commitment to being more ambitious, to not settling for what is, and what is good, but reaching for what can be and what will be great."The US Ambassador further praised India's workforce, calling it as the "most extraordinary resources that humanity has on its planets.

Garcetti said, "And to realise these ambitions, we must recommit ourselves to a mutual path of trust and transparencies so that people know what to expect. India's workforce, which numbers more than a billion people, is one of the most extraordinary resources that humanity has on its planet. They are builders, thinkers, innovators and entrepreneurs. The Indian dream is the flip side of what we used to call the American truth. In some ways you see it even more optimistically sometimes than our own country. And we can leave inspired when we work together about what's possible."Garcetti also called for merging "American scientific and financial acumen" with "India's grassroots ingenuity."The US and India can create ecosystems that tap into this human capital to merge American scientific strengths in research, our financial acumen and business strategy with Indians' jugaad finding a solution to everything, your deep talent pools, your grassroots ingenuity and your readiness to scale solutions on a massive level,'

# House rejects Trump-backed plan on government shutdown, leaving next steps uncertain

WASHINGTON. A day before a potential government shutdown, the House It provides a preview of the turbulence ahead resoundingly rejected President-elect Donald Trump's new plan Thursday to fund operations and suspend the debt ceiling, as Democrats and dozens of Republicans refused to accommodate his sudden demands.In a hastily convened evening vote punctuated by angry outbursts over the self-made crisis, the lawmakers failed to reach the two-thirds threshold needed for passage — but House Speaker Mike Johnson appeared determined to reassess, before Friday's midnight deadline.

We're going to regroup and we will come up with another solution, so stay tuned," Johnson said after the vote. The cobbledtogether plan didn't even get a majority, with the bill failing 174-235. The outcome proved a massive setback for Trump and his billionaire ally, Elon Musk, who rampaged against Johnson's bipartisan compromise, which Republicans and Democrats had reached earlier to prevent a Christmastime government shutdown.

when Trump returns to the White House with Republican control of the House and Senate. During his first term, Trump led Republicans into the longest government shutdown in history during the 2018 Christmas season, and interrupted the holidays in 2020 by tanking a bipartisan COVID-relief bill and forcing a do-over.

Hours earlier Thursday, Trump announced "SUCCESS in Washington!" in coming up with the new package which would keep government running for three more months, add \$100.4 billion in disaster assistance including for hurricane-hit states, and allow more borrowing through Jan. 30, 2027."Speaker Mike Johnson and the House have come to a very good Deal," Trump posted.But Republicans, who had spent 24 hours largely negotiating with themselves to cut out the extras conservatives opposed and come up with the new plan, ran into a wall of resistance from Democrats, who were in no hurry to

Musk. House Democratic Leader Hakeem Jeffries said Democrats were sticking with the original deal with Johnson and called the new one "laughable.""It's not a serious proposal," Jeffries said as he walked to Democrats' own closed-door caucus meeting. Inside, Democrats were chanting, "Hell, no!"All day, Johnson had been fighting to figure out how to meet Trump's almost impossible demands — and keep his own job — while federal offices are being told to prepare to shutter operations. The new proposal whittled the 1,500-page bill to 116 pages and dropped a number of addons — notably the first pay raise for lawmakers in more than a decade, which could have allowed as much as a 3.8% bump. That drew particular scorn as Musk turned his social media army against the For Johnson, who faces his own problems bill.Trump said early Thursday that Johnson will "easily remain speaker" for the next Congress if he "acts decisively and tough" in coming up with a new plan to also raise the debt limit, a stunning request just

before the Christmas holidays that has put the beleaguered speaker in a bind.

And if not, the president-elect warned of trouble ahead for Johnson and Republicans in Congress."Anybody that supports a bill that doesn't take care of the Democrat quicksand known as the debt ceiling should be primaried and disposed of as quickly as possible," Trump told Fox News Digital. The tumultuous turn of events, coming as lawmakers were preparing to head home for the holidays, sparks a familiar reminder of what it's like in Trumprun Washington.Musk and Vice Presidentelect JD Vance tried to blame Democrats, though rank-and-file Republicans helped sink Trump's plan."They've asked for a shutdown," Vance said of Democrats. "That's exactly what they're going to get."

ahead of a Jan. 3 House vote to remain speaker, Trump's demands left him severely weakened, forced to abandon his word with Democrats and work into the night to broker the new approach.

#### Australia selector explains 'very difficult decision' of dropping Nathan McSweeney

Australia's chid selector George Bailey has addressed the decision to replace Nathan McSweeney with 19-year-old Sam Konstas for the Boxing Day Test against India, explaining that the move was intended to bring a "point of difference" to the squad. Australia recently announced their 15-member team for the final two Tests of the Border-Gavaskar Trophy, with Konstas coming in for Mcsweeny, who had only made his Test debut in this BGT series opener in Perth.McSweeney, who debuted in the ongoing series, was dropped after just three matches, a move that sparked mixed reactions amongst fans and former cricketers alike. However, Bailey emphasised that the decision was made to strengthen Australia's top-order batting, which has struggled against India's formidable pace attack, particularly Jasprit Bumrah, who has been in some recordbreaking form down under."We remain confident Nathan has the ability and temperament to succeed at Test level in the future...It was a difficult decision to leave him out," Bailey told cricket.com.au on



"It has clearly been a challenge at the top of the order for batters throughout the series, and we want to provide the option of a different line-up for the next two matches... Sam gets a call-up to the Test squad for the first time.

His style of batting offers a point of difference and we look forward to watching his game develop further," he added. Australia's batting unit took a concerning shape in the second innings of the Brisbane Test, where the lineup faltered despite a stellar first-innings performance. Travis Head had smashed 152 off 160 balls, and Steve Smith added a solid 101, but their collapse in the latter innings raised questions about the consistency of their opening pair in Mcsweeny and Usman Khawaja. McSweeney, who was shifted to the opener's role despite being a middle-order batter in domestic cricket, struggled to adapt, scoring only 72 runs across six innings—a record low for an Australian opener in their first six innings in over five decades.Khawaja, the senior opener, has also faced challenges, averaging just 12 runs in the series with a top score of 21. However, the selectors chose to back Khawaja while dropping McSweeney, prioritising experience over youth.

#### R Ashwin retires: India's greatest match-winner deserved more respect

Ravichandran Ashwin, one of cricket's most decorated spinners, stunned the cricketing world with the announcement of his retirement. The abruptness of his decision has left fans and experts alike grappling with the void his departure creates. For a player of his stature, the goodbye felt all too quiet, almost unworthy of a cricketer who has done so much for Indian cricket.

India's most successful off-spinner deserved a grand farewell. He merited the roar of a packed stadium, a guard of honour, and the chance to weave his magic one last time on the field. Instead, his announcement came in a room full of reporters at the end of the third Test in Brisbane. There were no rousing tributes or emotional speeches to a stadium filled with adoring fans. Ashwin's final words as an Indian cricketer were shared in



the dressing room, amidst scattered teammates, a low-key farewell to a highimpact career. The only solace is that Ashwin walked away on his terms. As skipper Rohit Sharma observed, the off-spinner saw the writing on the wall and decided there was no point in continuing if his services were no longer required. Still, one cannot help but wonder if the lack of a regular spot in the playing XI, despite his extraordinary record, weighed heavily on his decision.

#### ASHWIN DESERVED A BETTER **FAREWELL**

Ashwin's father, Ravichandran, alleged that his son faced humiliation, which may have influenced his decision to retire during India's ongoing tour of Australia. While he could not pinpoint a specific incident, it appears he was pointing fingers at how his son was repeatedly overlooked in overseas tours. World Cup-winning captain Kapil Dev lamented the unceremonious nature of Ashwin's departure, stressing the importance of a respectful send-off for such a legendary all-rounder. "The next generation has to be better than us. If not, the world is not going ahead.

# Australia drop Nathan McSweeney for Boxing Day Test, add teenage opener to squad

Border-Gavaskar Trophy: Australia named a 15-man squad for the last two tests against India on Friday. In a bold call, the Australian selectors dropped Nathan McSweeney and roped in 19-yearold Sam Konstas. Pacers Jhye Richardson and Sean Abbott also returned to the squad.

Melbourne. Australia dropped their latest Test debutant, Nathan McSweeney, after just the first three matches in the Border-Gavaskar Trophy. Australia announced a 15-member squad for the last two Tests of the series. The fourth Test, a Boxing Day blockbuster, starts December 26 in Melbourne. Teenager Sam Konstas has been added to the squad and he is likely to open the batting with Usman Khawaja at the Melbourne Cricket Ground. While the decision to drop 25-yearold Nathan McSweeney after just three Tests

has divided opinions, Australia have added the attacking Sam Konstas in a bid to inject some firepower at the top of the order. McSweeney, who made his debut in Perth, had a tough time dealing with Jasprit Bumrah in the first three

Meanwhile, Australia have also recalled express pacer Jhye Richardson to the squad for the first time in three years. Along with him, pacer Sean Abbott and Tasmania all-rounder Beau Webster have been added to the squad, which is 15 members in size.

### AUSTRALIA SQUAD FOR LAST 2 TESTS OF BGT 2024-25

Pat Cummins (c), Travis Head (vc), Steve Smith (vc), Sean Abbott, Scott Boland, Alex Carey, Josh Inglis, Usman Khawaja, Sam Konstas, Marnus Labuschagne, Nathan Lyon, Mitchell Marsh, Jhye Richardson,

#### Mitchell Starc, Beau Webster. WHY WAS MCSWEENEY DROPPED?

25-year-old McSweeney was slotted into the opening spot in Perth despite him being a middle-order batter in domestic cricket. McSweeney struggled to get going and keep the scoreboard moving in the first three Tests of the series. While Usman Khawaja, the senior opener, has also struggled, scoring BIGBACKINGFORSAM KONSTAS



21 so far in the series. However, Australia have backed their senior opener and dropped the youngster, who is just three Test matches old. McSweeney has managed 72 runs in his first six innings, the lowest by an Australian opener in 50 years in the first six of their career in the longest format of the game. Chief selector George Bailey explained the decision, backing McSweeney's ability to find success at the highest level, adding Sam Konstas' ability to score at a good pace worked in his favour.

We remain confident Nathan has the ability and temperament to succeed at Test level in the future," Bailey said."It was a difficult decision to leave him out," he added.

with an average of just 12 and a top score of Australia have rewarded 19-year-old Sam

performances in the ongoing season. Known for his aggressive approach, Konstas is expected to fill the void that David Warner left in the Australian Test

25-year-old McSweeney was slotted into the opening spot in Perth despite him being a middle-order batter in domestic cricket. McSweeney struggled to get going and keep the scoreboard moving in the first three Tests of the series. While Usman Khawaja, the

senior opener, has also struggled, scoring with an average of just 12 anda top score of 21 so far in the series. However, Australia have backed their senior opener and dropped the youngster, who is just three Test matches old. McSweeney has managed 72 runs in his first six innings, the lowest by an Australian opener in 50 years in the first six of their career in the longest format of the game. Chief selector George Bailey explained the decision, backing McSweeney's ability to find success at the highest level, adding Sam Konstas' ability to score at a good pace worked in his favour."We remain confident Nathan has the ability and temperament to succeed at Test level in the future," Bailey said"It was a difficult decision to leave him out," he

# Who is Sam Konstas 19-year-old Australian opener set for Boxing Day Test debut

New Delhi Australia are set to hand teenage opener Sam Konstas his Test debut in the Boxing Day Test at the Melbourne Cricket Ground. After months of anticipation, Konstas has finally received his Test call-up for the final two matches of the Border-Gavaskar Trophy. It promises to be a baptism by fire for the young New South Wales cricketer, but the Australian cricket community is quietly confident that Konstas will thrive under pressure.On Friday, December 20, Australia announced a 15man squad for the last two Tests against India. With the series level at 1-1 after Australia were denied victory at the Gabba, the selectors have made some pivotal changes to the squad. In a major decision, they have dropped 25-year-old Nathan McSweeney after just three Test matches. McSweeney, who struggled against the Jasprit Bumrah-led pace attack, scored only 72 runs across six innings—the lowest tally for an Australian Test opener in their first six knocks since 1974.

Usman Khawaja fared no better. The 38-yearold managed just 63 runs in six innings but retained his place due to the invaluable experience he offers.Border-Gavaskar Trophy: Full Coverage

Australia appear to have learned a hard lesson.



When McSweeney, primarily a middleorder batsman in domestic cricket, was added to the squad at the start of the series, doubts were raised about his ability to handle India's high-quality attack. McSweeney struggled to keep the scoreboard moving, and Khawaja's poor form exacerbated the fragility of Australia's top order.

#### WHO IS SAM KONSTAS

By including Sam Konstas, Australia hope to inject aggressive intent at the top of the order. Konstas enters the Border-Gavaskar Trophy with an impressive record across formats.In December 2024, Konstas made his debut for the Sydney Thunder in the Big Bash League. Opening alongside David Warner, he smashed a blistering 57 off 26 balls, marking the fastest half-century in Sydney Thunder's history. His innings included eight boundaries and two sixes, playing a key role in the team's victory over

Konstas also featured for the Prime Minister's XI in a pink-ball warm-up match against India at Manuka Oval. He scored an outstanding 107 off 97 balls, including 14 fours and a six, against a formidable Indian bowling attack featuring Mohammed Siraj and Ravindra Jadeja. This performance further solidified his reputation as a rising star in Australian cricket.n October-November 2024, Konstas was selected for Australia A in their series against India A. In the second unofficial Test, he played a crucial role with an unbeaten 73 in the second innings, helping secure a victory for his team.

#### 'LIKE CLARKE, WARNER AND SMITH'

With 736 runs across formats this summer, Konstas has drawn widespread acclaim from cricketing legends and commentators. Former England captain Michael Vaughan had championed his inclusion in the Test squad, describing him as "fearless" and

#### MI's Akshita Maheshwari set to take flight: From sapno ka sheher to WPL deal

New Delhi In India, where a layman is still getting accustomed to the concept of women's cricket, playing the sport for a female athlete comes with its fair share of challenges. For Akshita Maheshwari, Mumbai Indians' new recruit in the Women's Premier League, it wasn't any different. In Jaipur, the youngster was in a circle where cricket is still considered a male-dominated sport, but what was different was her family's support.

When she was in her teens, Akshita had to face rejections from academies that did not promote the women's game, but they did not stop her from pursuing her dreams passionately. Once she found her way, she kept taking mini strides, rising through age group cricket and, in 2024, landed her maiden WPL deal with the 2023 champions. "I always used to play with my brothers in the terrace, but not that intensely as there were not many girls where my father bought a new house. I never liked staying at home, and preferred going out and playing. My father had to face questions in our colony about me playing



with boys every time," Akshita said in an exclusive interview with India Today.But he, my mother and brother supported me; they said, 'khelo, kya fark padta hain kaun kya bol raha hain, aapko jo accha lagta hain wo karo (play, it doesn't matter what people are saying, do what your heart says). Then I got to know that there are academies and I looked out for Neerja Modi Academy."But they said that they don't teach girls. It was five to six years ago. I went to the KL Saini Cricket Academy for running and I saw another girl training. I immediately called my father, after which I registered there, and it started from there," Akshita said.

#### The surreal moment

With only 19 slots to be filled in the miniauction, Akshita had to fight with 122 players who threw their hat in the ring. In the opening round and first accelerated round, her name did not pop up. But in the second accelerated round, the franchises shortlisted her, and it was MI, who roped her in at a base price of Rs 20 lakhs. Akshita was plying her trade with Rajasthan in the Senior Women's One-Day

# Bangladesh secure 1st-ever 3-0 T20l sweep vs West Indies after Jaker Ali special

Kingstown. Bangladesh capped off a strong comeback on their Caribbean tour with a commanding 80-run win over West Indies in the third T20I at Arnos Vale, St. Vincent, on December 20. This victory secured a 3-0 series sweep, marking their first clean sweep in T20Is in nearly two years. Batting first, Bangladesh set a formidable total of 189/7, their highest T20I score in the West Indies. Jaker Ali played a starring role, smashing an unbeaten 72 off just 41 balls. The bowlers then delivered a clinical performance, bundling out the West Indies for 109, their lowest-ever T20I total against Bangladesh. Jaker Ali Shines Bright

Jaker Ali continued his stellar form, anchoring the innings with six sixes and three fours. The match saw a dramatic moment when Jaker appeared to be run out after a mix-up with Shamim Hossain. However, the third umpire adjudged Shamim out instead, allowing Jaker to resume his innings. He



capitalised on the reprieve, smashing 20 runs off the 18th over and three sixes in the final over bowled by Alzarri Joseph, leading Bangladesh to a strong finish. Earlier, Parvez Hossain Emon provided a quick start, replacing the injured Soumya Sarkar. His 39 off 21 balls included two sixes and four boundaries, helping Bangladesh score 54 runs in the powerplay. Despite losing wickets in the middle overs, Jaker's

brilliance ensured a competitive total. ishad Hossain's Impactful Bowling

Bangladesh's bowlers, led by Rishad Hossain, dominated the West Indies batting lineup. Taskin Ahmed set the tone by dismissing Brandon King early, while Mahedi Hasan continued his fine run by removing Nicholas Pooran for the third time in the series. Rishad Hossain was the standout performer with 3/20, executing a sharp run-out of Johnson Charles and dismissing Rovman Powell, Gudakesh Motie, and Alzarri Joseph. The hosts struggled to build partnerships, with Johnson Charles and Nicholas Pooran offering the only resistance. This sweep marked a significant turnaround for Bangladesh, coming after a 3-0 loss in the ODI series. The emphatic performances from Jaker Ali and Rishad Hossain signal promising prospects for the team as they build momentum for future challenges.

Trophy when MI picked her.

# Carabao Cup: Manchester United ousted by Tottenham in QF despite Amad Diallo-show

-Ruben Amorim endured his first major setback as Manchester United manager, with his side crashing out of the Carabao Cup after a thrilling 4-3 defeat to Tottenham Hotspur, despite a spirited effort for a late comeback driven by the likes of Amad Diallo and Joshua Zirkzee.

London. Ruben Amorim's time at Manchester United faced its first significant challenge as his team exited the Carabao Cup quarterfinals with a thrilling 4-3 defeat to Tottenham Hotspur on December 20. Despite a spirited comeback attempt, Ange Postecoglou's Spurs managed to hold their ground and secure a spot in the semi-finals.

Tottenham took control early in the game, with Dominic Solanke netting twice and Dejan Kulusevski adding a third to put the hosts ahead 3-0 by the 54th minute. However, two critical mistakes by Spurs' 36-year-old goalkeeper Fraser Forster dramatically shifted the momentum.Forster, filling in for the injured Guglielmo Vicario, initially made a stunning save to deny Joshua Zirkzee's header. But moments later, under pressure from Zirkzee, he attempted a poor pass intercepted by Bruno Fernandes. Fernandes set up Zirkzee for a simple finish, making it 3-1. The drama heightened seven minutes later when Forster mishandled another backpass, allowing Amad Diallo to slide in and deflect United's Late Surge Falls Short his clearance into the net for 3-2. Diallo, who recently scored a decisive goal against Manchester City, came close to an equaliser with a long-range effort that rattled Forster



#### further.

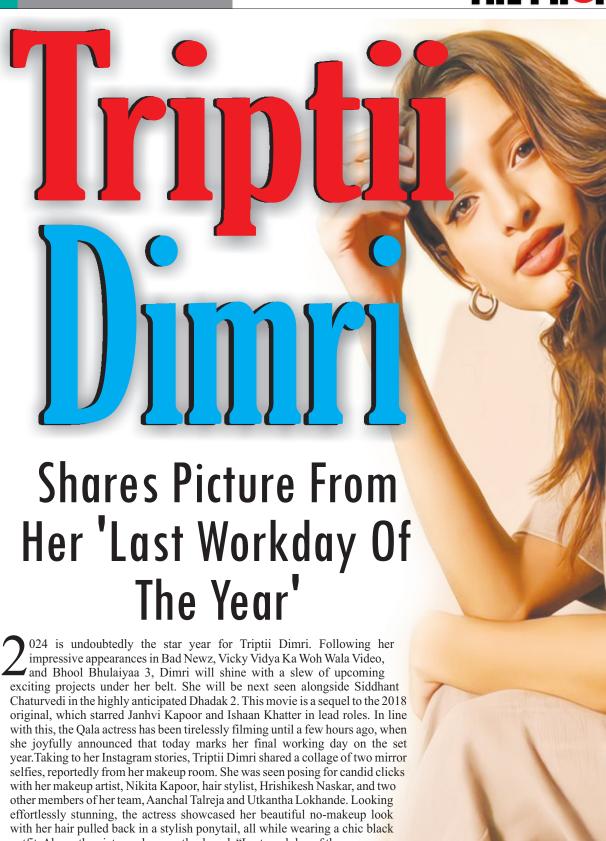
United ramped up their attacks in the final stages, driven by substitutes Alejandro Garnacho and Diallo. Jonny Evans added to the tension by heading in a goal during

stoppage time to bring the score to 4-3. Despite the relentless pressure, Tottenham managed to secure the victory with Son Heung-min's clever goal directly from a corner, which caught United keeper Altay Bayindir

#### Rashford's Absence Raises Questions

The match was also marked by the absence of Marcus Rashford, who was left out of the squad following recent remarks about his future. Amorim's decision to exclude Rashford entirely, along with limiting Garnacho to a substitute role, has fueled speculation

about the manager's approach to squad management. This defeat leaves Amorim with the challenge of rallying his team amidst rising expectations and a demanding schedule. With questions looming over player management and on-field consistency.



outfit. Above the picture, she sweetly shared, "Last workday of the year...see In her recent Instagram stories, the actress flashed a cheerful thumbs-up. Further, when we looked closely at the blurred background, we caught a glimpse of

some ropes, hinting at the intense stunts she'd been working hard to master. A month back, a picture featuring Triptii and Siddhant went viral on social media. This was a subtle confirmation that the two actors had started shooting for the highly anticipated film in Mumbai. The picture circulating on social media was from Somaiya Vidyavihar University. In the snap, Triptii wore a casual outfit, while Siddhant sported a dishevelled look.

Dimri will also reportedly star in another upcoming yet-untitled film. This will also star Shahid Kapoor, Nana Patekar, and Randeep Hooda in key roles. The action thriller will be directed by Vishal Bhardwaj and has been sealed for a theatrical release on December 5, 2025. Sajid Nadiadwala, on behalf of Nadiadwala Grandson Entertainment, took to his X handle and shared that the filming will begin on January 6, 2025. "#SajidNadiadwala presents a @VishalBhardwaj film! A spectacular cinematic journey begins on 6th Jan 2025 Film releasing on 5th December 2025 @shahidkapoor @tripti\_dimri23 @nanagpatekar @RandeepHooda Warda Nadiadwala." the tweet on Nadiadwala Grandson Entertainment's X handle read.

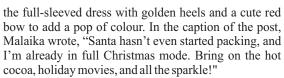


ver since Arjun Kapoor confirmed his breakup with Malaika Arora, all eyes have been on her. While the Singham Again actor revealed his single status at a Diwali party, Malaika has maintained her silence on the matter and has not spoken about it in public. However, her cryptic social media posts since her breakup have often garnered the attention of her fans and followers.On Thursday, December 19, Malaika shared another such cryptic post on her Instagram Stories.

> with fingerprints and discussed the importance of realising one's worth, self-respect and setting boundaries. It read: "Invest your energy in those who truly value your time and presence."

The picture featured a red heart made

Malaika Arora and Arjun Kapoor started dating in 2018 soon after the Chaiyya Chaiyya star parted ways with her exhusband, Arbaaz Khan. Nearly six years later, they decided to call it quits.In other news, the 49-year-old actress is gearing up for Christmas already. She shared a video on her Instagram account, showcasing her preparation for the festive season. The actress was dressed in a classic white mini bodycon dress. She paired



Malaika recently took a train trip to an undisclosed



back in November, she released the second part of her train journey just days ago. In the video, she recreated Dilwale Dulhaniya Le Jayenge's iconic train scene but with the roles reversed. As the reel began, Malaika was seen standing at the gate of the coach dressed in a white comfy co-ord set, helping her co-passengers run to catch her hand to get on the train.

On the work front, Malaika is currently judging the first season of the dance reality show India's Best Dancer vs Super Dancer: Champions ka Tashan alongside Remo D'souza and Geeta Kapur.

### Rana Daggubati's Birthday Wish For Wife Miheeka Bajaj Is Love



ana Daggubati's wife Miheeka Bajaj is celebrating her birthday today, and the actor made sure to make the day memorable with a special wish. Rana shared a throwback photo from their wedding celebration on Instagram. In the photo, suggestively from their haldi celebrations, Miheeka is dressed in yellow attire whereas the actor chose an all-white look. The couple can be happily posing for the photo while embracing each other.Rana wrote, "Happiest to you", followed by heart emoticons.

Rana Daggubati also shared a recent selfie with Miheeka where the duo were all smiles for the camera. The actor was dressed in a white sweatshirt while the birthday girl was seen in a bright red dress. Miheeka's birthday comes days after the actor turned 40. Sharing her birthday wishes, Miheeka dropped a series of candid pictures of Rana. "The man with the ever-changing looks and personalities that go hand in hand. There isn't a moment of dullness with you around. The constants in life have been entertainment and an unending supply of love. May you shine bright and dorn a lot of looks and personalities in the coming years. This year as you turn 40 my only wish is for you to remain forever 14! It never ceases to amaze me how you've managed to maintain the vigour, excitement, thoughts and passion of a kid who's just starting off on their journey. May you always be excited, inquisitive, passionate and ambitious," Miheeka wrote in a long caption accompanying the post.

On the work front, Rana Daggubati is currently busy with his chat show, The Rana Daggubati Show on Prime Video. Last month, the show premiered at the 55th International Film Festival of India (IFFI). The launch featured the first episode, sarring Nani, Teja Sajja, and Priyanka Arulmohan. The eight-part Telugu Original chat show will feature Dulquer Salmaan, Naga Chaitanya Akkineni, S.S. Rajamouli, Ram Gopal Varma, Rishab Shetty, Siddhu Jonnalagadda, Sreeleela, and others as gets.

### Nana Patekar Recalls Visiting Irrfan Khan's Madh Home: 'He **Loved Jasmine Plants'**



ana Patekar, widely acclaimed for his versatile acting, recently shared touching memories of the late Irrfan Khan, celebrating the actor's profound impact. He revealed Irrfan's love for night-blooming jasmine plants and how the actor had expressed a desire to have them. Nana also reminisced about an early conversation with Sutapa, Irrfan's wife, where he assured her of Irrfan's bright future in the film industry. Reflecting on a visit to Irrfan's home in Madh, Nana shared how deeply connected he feels to Irrfan's memory. In a heartfelt conversation with Vishal Bhardwaj for Zee Studios, Nana Patekar described Irrfan as a remarkable individual and shared how Sutapa, who worked as a screenwriter for Khamoshi, encouraged him to recommend Irrfan for roles. Nana, however, was confident in Irrfan's talent and future, telling Sutapa, "He will suggest our name in the future. He is a very big actor, don't worry."

Nana also recalled Irrfan's humility despite his success. He shared a poignant memory of visiting Irrfan's house in Madh, where Irrfan spoke about his love for night-blooming jasmine plants. The actor had asked Nana to plant one for him, a request that left a lasting impression on Nana, deepening his connection to Irrfan's legacy.

In another conversation with Anil Kapoor, Nana revealed his initial hesitation to watch the film Animal, starring Ranbir Kapoor. However, upon being persuaded by friends, he praised Anil's restrained and balanced performance, contrasting it with the more exaggerated portrayals of other cast members. This admiration showcased the respect between the two actors, further exciting fans about their dynamic after their iconic roles in the Welcome series. Currently, Nana Patekar is preparing for the release of his upcoming movie, Vanyaas.

Directed by Gadar filmmaker Anil Sharma, the movie also stars Utkarsh Sharma and Simrat Kaur. With its focus on family, honor, and selfacceptance, Vanvaas offers an emotional narrative that redefines the concept of familial bonds. Ahead of its release, the makers of Vanvaas have arranged a special screening for Aamir Khan in Mumbai. A source revealed, "Nana and Aamir Khan share a great bond, the team of Vanvaas has already arranged a special screening for the actor in Bombay. Aamir will be watching the film on 20th December." The trailer, released earlier this month, teases a story of resilience and belonging, adding to the anticipation for its release under the Anil Sharma Productions banner.